मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 15
सोमवार, 21 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

'पार्टी नहीं, देश पहले': शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम, 20 जुलाई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कांग्रेस और सांसद शशि थरूर के बीच चल रहा मनमुटाव अब खुलकर सामने आ गया है। थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को अपना अडिग रवैया दिखाया है। हाल ही में एक छात्र के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने साफ कह दिया कि चाहे जितनी आलोचना हो, वह अपने रुख पर कायम रहेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि यह देश के लिए सही है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर कोच्चि में एक कार्यक्रम में थे, तभी एक हाई स्कूल के छात्र ने उनसे पार्टी के साथ उनके असहज संबंधों के बारे में सवाल पूछ लिया। थरूर ने अपनी टिप्पणी का वीडियो शेयर करते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'हालांकि मैं ऐसी राजनीतिक चर्चाओं से दूर रहता हूं, लेकिन मुझे लगा कि एक छात्र को जवाब मिलना चाहिए।'

उन्होंने अपनी बात समझाते हुए कहा, 'दुर्भाग्य से, या जैसे भी कह लें, किसी भी लोकतंत्र में राजनीति हमेशा प्रतिस्पर्धा पर आधारित होती है। जब मेरे जैसे लोग कहते हैं कि हम अपनी पार्टियों का सम्मान करते हैं, हमारे कुछ ऐसे मूल्य और विश्वास हैं जो हमें अपनी पार्टियों में बनाए रखते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में हमें दूसरी पार्टियों के साथ भी सहयोग करने की जरूरत है - जैसा कि आपने पूछा - तो कभी-कभी पार्टियों को लगता है कि यह उनके प्रति बेवफाई है। और यह

एक बडी समस्या बन जाती है।' उन्होंने यह बात अपनी ही पार्टी के नेताओं द्वारा उन पर निशाना साधने का जिक्र करते हुए कही।

थरूर ने आगे कहा, 'आपकी पहली वफादारी किसके प्रति है? मेरे हिसाब से, राष्ट्र सबसे ऊपर है। पार्टियां राष्ट्र को बेहतर बनाने का एक जरिया हैं। इसलिए, मेरे विचार में, आप जिस भी पार्टी से हों, उस पार्टी का मकसद अपने तरीके से एक बेहतर भारत बनाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टियों को इस बात पर असहमत होने का पूरा अधिकार है कि बेहतर भारत बनाने का सबसे अच्छा तरीका क्या है। 'हममें से कुछ ज्यादा पूंजीवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग ज्यादा समाजवाद की बात कर सकते हैं। कुछ लोग कुछ खास तरह के नियमों के पक्ष में हो सकते हैं। कुछ लोग ज्यादा नियम-कायदों के खिलाफ भी हो सकते हैं। तो आपके अलग-अलग विचार हो सकते हैं।

यह ठीक है। लेकिन आखिर में, हम सभी को एक बेहतर भारत, एक सुरक्षित भारत, एक ऐसे भारत के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए जिसकी सीमाएं सुरक्षित हों, जिसका भूभाग सुरक्षित हो, और जिसके लोगों की भलाई सुनिश्चित हो सके। और यही मेरी प्रतिबद्धता है।'

थरूर यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा, 'और अगर हम इस आदर्श को अपनाते हैं, तो यही भावना सभी दलों में होनी चाहिए, न सिर्फ दो दलों में बल्कि बहुदलीय भी। आपने संसद के बारे में पूछा। आज हमारी संसद में 46 राजनीतिक दल हैं। कुछ ऐसे मुद्दे जरूर होंगे जिन पर वे सभी एकजुट हों। यह निश्चित रूप से मेरा दृढ विश्वास है। लेकिन यह आसान नहीं है।'

पहलगाम आतंकवादी हमले और भारत के जवाबी हमले, ऑपरेशन सिंदूर के बाद से थरूर लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के सामने भारत की स्थिति स्पष्ट करते रहे हैं। उनकी बेबाक टिप्पणियों ने आलोचकों को भी उनका प्रशंसक बना दिया, जिन्होंने इस मुश्किल वक्त में दलीय मतभेदों को किनारे रखने के लिए उनकी तारीफ की।

शिमला में वाहन के खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत

शिमला, 20 जुलाई। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में शनिवार को एक वाहन के खाई में गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया था जिसके कारण वाहन खाई में गिर गया। यह हादसा रावला कलार लिंक रोड पर बधोन गांव के पास हुआ।

पुलिस के अनुसार, प्रमोद कुमार और कृष्ण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुमार की बेटी शालू ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

बेअदबी विरोधी विधेयक से कठोर सजा सुनिश्चित होगी: मुख्यमंत्री मान

पंजाब, 20 जुलाई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि राज्य विधानसभा में पेश किया गया बेअदबी विरोधी विधेयक धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी करने वालों के लिए कठोर सजा सुनिश्चित करेगा।

मान ने बेअदबी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार ने 14 जुलाई को पंजाब विधानसभा में एक बेअदबी विरोधी विधेयक पेश किया था, जिसमें धार्मिक ग्रंथों का अनादर करने वाले कृत्यों के लिए आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री मान ने सदन में पंजाब पवित्र धर्मग्रंथों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम विधेयक 2025 पेश किया था। राज्य विधानसभा ने प्रस्तावित कानून पर धार्मिक निकायों सहित जनता की राय जानने के लिए विधेयक को सदन की एक प्रवर समिति को भेज दिया।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह संवेदनशील और गंभीर मुद्दा सभी पंजाबियों को प्रभावित करता है तथा इसका वर्तमान और भावी पीढ़ियों पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। मान ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कड़ी सजा जरूरी है।

महाराष्ट्र में एक ही परिवार के चार सदस्य समुद्र तट पर डूबे

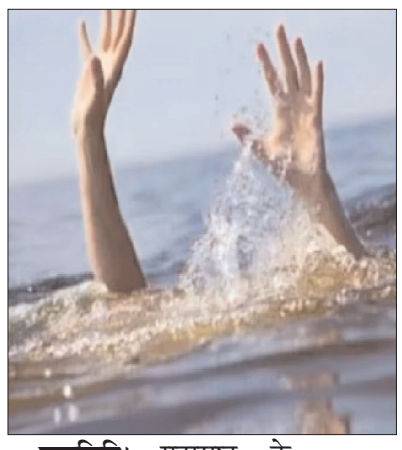

रत्नागिरि। महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले में आरे-वारे समुद्र तट पर शनिवार शाम एक ही परिवार के चार सदस्य डूब गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी के अनुसार, यह हादसा शाम छह बजे के करीब हुआ।

मृतकों की पहचान ओसवाल नगर, रत्नागिरी के निवासी जुनैद बशीर काजी (36), उनकी पत्नी जैनब (28) और ठाणे जिले के मुंब्रा में रहने वाले उनके रिश्तेदार उज्मा शमशुद्दीन काजी (18) और उमेरा शमशुद्दीन शेख (20) के रुप में की गई है।

एक अधिकारी ने कहा, वे सभी पानी में खड़े होने के दौरान एक बड़े ज्वार में बह गए। अन्य पर्यटकों ने उन्हें डूबते हुए देखा, लेकिन समुद्र की लहरों के कारण वे उनकी मदद नहीं कर सके। पुलिस की टीम ने शव बरामद किए।

ओडिशा में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत, सात घायल

ओडिशा, 20 जुलाई। ओडिशा में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटनाएं कोरापुट और नयागढ़ जिले में हुई।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोरापुट जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग 26 पर सुनाबेड़ा के पास शनिवार को रात करीब साढ़े 11 बजे दो कारों की सीधी टक्कर में चार लोग मारे गए और एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि एक कार कोरापुट से दमनजोड़ी और दूसरी कार सेमिलिगुड़ा से सुनाबेड़ा जा रही थी।

उन्होंने बताया कि दोनों कार के चालकों सहित एक कार में सवार दो अन्य लोगों की इस दुर्घटना में मौत हो गई और एक अन्य घायल व्यक्ति का कोरापुट के एसएलएन मेडीकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज जारी है।

पुलिस ने बताया कि नयागढ़ जिले में दारापाड़ा के पास रविवार को सुबह एक पिकअप वैन कांवड़ियों को ले जा रहे एक ऑटोरिक्शा से टकरा गई। इस दुर्घटना में एक महिला कांवड़िया की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। सभी कांवड़िये कांतिलो से लाडूबाबा मंदिर जा रहे थे।

नयागढ़ जिला मुख्यालय अस्पताल के एक चिकित्सक ने कहा, ऑटोरिक्शा दुर्घटना में घायल हुए सात लोगों को हमारे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल छह लोगों को भुवनेश्वर रेफर कर दिया गया है।

अमरनाथ यात्रा के लिए 4,000 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू, 20 जुलाई। दक्षिण कश्मीर हिमालय में 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर में बाबा बफानी के दर्शन करने के लिए भगवती नगर आधार शिविर से 900 महिलाओं सहित 4,388 तीर्थयात्रियों का 20वां जत्था रविवार को रवाना हुआ।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम और गांदरबल में बालटाल मार्गों से यह 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा तीन जुलाई को शुरू हुई थी। उन्होंने बताया कि अब तक 2.90 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री बाबा बफानी के दर्शन कर चुके हैं।

अधिकारियों के अनुसार,

दोनों मार्गों पर यात्रा सुचारू रूप से जारी है और आज (रविवार को) दिन में तीर्थयात्रियों की संख्या तीन लाख के आंकड़े को पार कर जाने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि 130 साधुओं एवं साध्वियों सहित तीर्थयात्रियों का एक और जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अलग-अलग काफिलों में आधार शिविर से पहलगाम और बालटाल के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि 115 वाहनों के काफिले में 2,815 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए रवाना हुए, जबकि 95 वाहनों में सवार 1,573 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग को प्राथमिकता दी। यह तीर्थयात्रा नौ अगस्त को रक्षा बंधन के दिन समाप्त होगी।

मानसून सत्र में हर संवेदनशील मुद्दे पर बहस को तैयार सरकार

नई दिल्ली, 20 जुलाई। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में केंद्र सरकार ने विपक्ष की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पर चल रहे संघर्ष जैसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद में चर्चा की मांग की थी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार इन सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने सत्र से पहले बुलाई गई इस बैठक में सदन के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच

बेहतर समन्वय का भी आह्वान किया। रिजिजू ने कहा, 'हम संसद में ऑपरेशन सिंदूर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। संसद को सुचारु रूप से चलाने के लिए सरकार और विपक्ष के बीच समन्वय होना चाहिए।'

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस हालिया दावे को लेकर सदन में विवाद खडा करने की तैयारी में है, जिसमें उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर शत्रुता समाप्त करने की बात कही थी।

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए रिजिजू ने स्पष्ट किया कि सरकार सदन में इस विषय पर उचित जवाब देगी।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।

अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं स्व पर आधारित हों। स्व आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता स्व की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और ह्यनया भारतह्ण बनाने का संकल्प झलकता है।

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंधन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है स्वदेशी। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- ह्लस्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा ।ह्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगे तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- मनखे-मनखे एक हैं। किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए। ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है ।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफ कर सकते हैं।

क्या जंगलराज शब्द से सीएम नीतीश और एनडीए के अन्य नेता परहेज करने लगे हैं?

अशोक भाटिया

बिहार में जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे-वैसे अपराधियों के हौसले भी बुलंद होते जा रहे हैं। एक के बाद एक दो हत्याओं से राजधानी पटना में हड़कंप मचा हुआ है। मुख्यमंत्री से लेकर राज्य के सारे सियासतदान यहां निवास करते हैं। इसके बाद भी अपराधियों के हौसले कुछ इस तरह से बुलंद हैं कि दिन दहाड़े हत्याओं को अंजाम दिया जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड की गुत्थी सुलझी भी नहीं थी कि अब बदमाशों ने पारस अस्पताल में भर्ती चंदन मिश्रा को गोलियों से छलनी कर दिया।

चंदन मिश्रा हत्याकांड के बाद से बिहार में जंगलराज शब्द एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। तेजस्वी यादव समेत विपक्ष दल के नेता नीतीश सरकार को जंगलराज की याद दिला रहे हैं। उनका कहना है कि पहले गोपाल खेमका और फिर चंदन मिश्रा हत्याकांड को जिस तरह से अंजाम दिया उसने नीतीश कुमार के सरकार के सुशासन के दावों की पोल खोलकर रख दी है। विपक्षी दल के नेता इसके लिए सीधे तौर पर नीतीश सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। यहां तक कि एनडीए में शामिल दल भी बिहार के मौजूदा हालातों को लेकर नीतीश कुमार की पुलिस पर हमला बोलते नजर आ रहे हैं।

दरअसल बिहार में अन्य मुद्दों के साथ क्राइम बड़ा इश्यू रहा है। लालू यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल को खासतौर पर बेलगाम अपराध के लिए जाना जाता है। लालू यादव के कार्यकाल को विरोधी अभी भी जंगलराज कहते हैं। नीतीश कुमार और एनडीए के अन्य नेता अतीत में अक्सर ही इसका उल्लेख कर लालू यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल का उल्लेख करते रहे हैं। अब बिहार में कुछ ही महीनों के बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस बार जंगलराज शब्द की चर्चा या उल्लेख न के बराबर हो रहा है। कभी नीतीश के तरकश में सबसे मारक तीर रहे जंगलराज को इस बार उतनी तवज्जो नहीं दी जा रही है। 18 जुलाई 2025 को मोतिहारी में हुए मेगा रैली में भी यह शब्द गुंजायमान नहीं हुआ। अब सवाल उठता है ऐसा क्यों? क्यों सीएम नीतीश और एनडीए के अन्य नेता इससे परहेज करने लगे हैं?

लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से स्वाभाविक तौर पर नीतीश सरकार की साख भी धुमिल हुई है। हर बात पर लालू-राबड़ी के कार्यकाल के जंगलराज की बात करने वाले अब इस शब्द का इस्तेमाल करने से बचने लगे हैं। शुक्रवार 18 जुलाई 2025 को मोतिहारी पीएम मोदी की बड़ी जनसभा थी। मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश समेत कई दिग्गज नेता मौजूद थे। इनमें से कइयों ने अपनी बात भी रखी, पर जंगल राज का उल्लेख नहीं किया गया। जो कभी नीतीश कुमार की तरकश का सबसे बड़ा तीर हुआ करता था वो अब नदारद है। इससे सियासी गलियारों में चचाओं का दौर भी गरम है। बता दें कि लालू यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी जब बिहार के मुख्यमंत्री थे, तब प्रदेश में अपराध अपने चरम पर था। आमलोगों को इससे काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

जंगलराज बिहार में सबसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है। लालू यादव को अक्सर ही इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। अब दूसरा सवाल यह है कि क्या जंगलराज वाला मुद्दा नीतीश कुमार से छिन गया है। दरअसल, पिछले कुछ समय से बिहार में हो रही आपराधिक घटनाओं का असर प्रदेश की राजनीति पर स्पष्ट रूप से देखा जा रहा है। पारस अस्पताल में घुसकर इलाजरत सजायाफ्ता गैंगस्टर की हत्या ने कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर से सवाल उठाया है। विपक्षी नेता तेजस्वी यादव ने इसको लेकर नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पुलिस का इकबाल क्षय, अधिकारी बने रंक। गुंडे बने विजय व अपराधी बने सम्राट। अस्पताल में घुसकर बेखौफ अपराधियों में गोली मारी। तो क्या चुनावी माहौल में जंगलराज नाम का तीर नीतीश कुमार के तरकश से गायब हो गया है? यह तो आनेवाला समय ही बताएगा, पर फिलहाल विपक्षियों के हाथ में बड़ा मुद्दा लग गया है। नीतीश कुमार, जो 'सुशासन' का वादा करके सत्ता में आए थे, अब खुद को एक ऐसे राज्य की अध्यक्षता करते हुए पाते हैं जो अराजकता की ओर वापस मुड़ता दिख रहा है। ऐसा लगता है कि उनके लगातार यू-टर्न, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और सार्वजनिक नासमझियों ने उनके प्रशासनिक अधिकार और उनके मतदाताओं के विश्वास को खत्म कर दिया है।जैसे-जैसे 2025 का विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहा है, अपराध का बढ़ता ज्वार जेडी (यू), भाजपा और एनडीए के अन्य सहयोगियों के लिए एक गंभीर राजनीतिक चुनौती प्रस्तुत करता जा रहा है। तेजस्वी यादव लगातार खुद को फिर से स्थापित कर रहे हैं, जबकि नीतीश कुमार की 'सुशासन बाबू' के रूप में मजबूत छवि लड़खड़ा रही है। अराजकता का पुनरुत्थान एनडीए के सबसे शक्तिशाली चुनावी हथियारों में से एक झ राजद के खिलाफ ॽजंगल राजॽ कथा को कुंद कर रहा है। जैसे-जैसे डर सड़कों पर लौटता है, अतीत और वर्तमान के बीच की रेखाएं धुंधली होने लगती हैं, जिससे एनडीए ने अपनी राजनीतिक अपील के विपरीत बहुत ही कमजोर कर दिया है।

1990 के दशक में बिहार की ग्रामीण, जाति-संचालित हिंसा के विपरीत, आज का अपराध तेजी से शहरी है, और बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी और सामाजिक हताशा से प्रेरित लगता है। सरकार की प्रतिक्रिया सूत्रबद्ध रही हैः दोषारोपण का खेल, निलंबन और ॽसख्त कार्रवाईॽ के खोखले आश्वासन। लेकिन कानून और व्यवस्था सिर्फ पुलिस का मुद्दा नहीं है बल्कि इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो नीतीश जनता का भरोसा खो सकते हैं, खासकर महिला मतदाता। उनकी निषेध नीति ने उन्हें अपनी सद्भावना अर्जित की थी, लेकिन बढ़ती असुरक्षा इसके विपरीत कर सकती है। एक अन्य प्रमुख निर्वाचन क्षेत्र, युवा, जिन्हें लालू के कथित 'जंगल राज' की ज्यादा याद नहीं है, एक जटिल वास्तविकता का सामना कर रहे हैं। सुरक्षा कोई विलासिता नहीं है - यह एक बुनियादी अधिकार है।

राहुल गांधी ने राज्य सरकार पर ॽसंरक्षण पर स्थितिॽ को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है, यह दावा करते हुए कि जब बिहार जलता है, तो मंत्री आयोगों का पीछा करते हैं। अतिरंजित, हो सकता है, लेकिन यह एक निराश मतदाताओं के साथ एक राग पर प्रहार कर सकता है।

फिर भी, कुछ तथ्यों को अनदेखा करना अनुचित होगा। हाल के वर्षों में सजा दर में सुधार के साथ-साथ कुछ हाई-प्रोफाइल मामलों में तेजी से गिरफ्तारियां हुई हैं। नीतीश कुमार ने सभी घरों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी ऐलान किया है। महिलाओं के लिए नौकरी में आरक्षण और जाति-सर्वेक्षण संचालित योजनाओं जैसे कल्याणकारी उपायों ने गहरी सामाजिक असमानताओं को दूर करने का प्रयास किया है। लेकिन शासन केवल नीतिगत घोषणाओं से कहीं अधिक है।

फिर भी, वर्तमान स्थिति को केवल एक राजनीतिक गठबंधन या नेता के चरणों में नहीं रखा जा सकता है। संरचनात्मक कमजोरियां - जिनमें बड़े पैमाने पर बेरोजगारी, अंडर-पुलिसिंग और एक सुस्त न्याय प्रणाली शामिल है - सभी शासनों में फैल गई हैं। बिहार देश में सबसे अधिक युवा बेरोजगारी दर और सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाले राज्यों में से एक है। अवैध हथियारों की आसान उपलब्धता, प्रणालीगत पुलिस रिक्तियां और 3-7 मिलियन से अधिक लंबित अदालती मामले केवल स्थिति को खराब करते हैं।

नीतीश कुमार, जो आठ बार शीर्ष पर रहे हैं और 18 वर्षों से अधिक समय तक बिहार पर शासन कर चुके हैं, अक्सर एनडीए और महागठबंधन के बीच राजनीतिक निष्ठा बदलते समय, इन स्थायी प्रणालीगत विफलताओं के लिए जिम्मेदारी भी साझा करनी चाहिए। एनडीए सरकार की विफलताओं की जांच की जानी चाहिए, लेकिन विपक्ष के हमलों की भी बारीकी से जांच की जरूरत है। राजद की कानून-व्यवस्था की विरासत के आलोक में तेजस्वी यादव के 'आपराधिक अव्यवस्था' के आरोप खोखले लगते हैं। इसी तरह, राहुल गांधी द्वारा भाजपा की आलोचना आसानी से कांग्रेस पार्टी की पिछली उदासीनता को नजरअंदाज कर देती है, खासकर जब यह लालू के साथ गठबंधन में थी।

स्वाभाविक है लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से परेशान नीतीश सरकार की साख भी धुमिल हुई है। हर बात पर लालू-राबड़ी के कार्यकाल के जंगलराज की बात करने वाले अब इस शब?द का इस्तेमाल करने से बचने लगे हैं। शुक्रवार 18 जुलाई 2025 को मोतिहारी पीएम मोदी की बड़ी जनसभा थी। मंच पर मुख?यमंत्री नीतीश समेत कई दिग?गज नेता मौजूद थे। इनमें से कइयों ने अपनी बात भी रखी, पर जंगल राज का उल?लेख नहीं किया गया। जो कभी नीतीश कुमार की तरकश का सबसे बड़ा तीर हुआ करता था वो अब नदारद है। इससे सियासी गलियारों में चचाओं का दौर भी गरम है।

नशा मुक्त भारत : संकल्प से सिद्धि की ओर एक जनआंदोलन

-सुरेश गांधी

जब राष्ट्र के भविष्य को नशे की लत निगलने लगे, तब किसी सरकार की नहीं, समाज की जिम्मेदारी बनती है कि वह चेतना का दीप जलाए। आज भारत, विशेषकर उसका युवा वर्ग, मादक पदार्थों की गिरफ्त में आता जा रहा है। यह न सिर्फ स्वास्थ्य और शिक्षा की हानि है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करने वाली स्थिति है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा चलाया गया नशा मुक्त भारत अभियान, अब मात्र एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि यह एक राष्ट्रीय जनचेतना आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। हाल ही में देशभर की 113 सामाजिक और आध्यात्मिक संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों और शिक्षाविदों ने मिलकर एक राष्ट्रीय नशा मुक्ति संवाद आयोजित किया, जिसने देश के नीति-निमार्ताओं से लेकर पंचायत स्तर तक एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। इस संवाद में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ल की भूमिका विशेष उल्लेखनीय रही, जिन्होंने अपने प्रदेश में ह्यहिमाचल मॉडलह्ण के रूप में जो अभियान खड़ा किया, वह अब राष्ट्र को राह दिखा रहा है।

आज सबसे बड़ा संकट यह है कि नशा अब महज युवाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि 8 से 14 वर्ष के स्कूली बच्चे भी इसकी चपेट में आ चुके हैं। यह आंकड़ा केवल भयावह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मा को झकझोरने वाला है। क्या यह केवल कानून से रोका जा सकता है? नहीं। यह एक संस्कार की लड़ाई है, जिसका आधार बनेगा शिक्षा, ध्यान, आत्मबोध और सामाजिक सहभागिता। विद्यालयों में बच्चों को नशा न करने की शपथ दिलाना, नशा मुक्त छात्र प्रमाण-पत्र देना, खेल एवं ध्यान केंद्रों की स्थापना करना, जैसे कदम आज बेहद आवश्यक हैं। यह लड़ाई स्कूल से शुरू होनी चाहिए, तभी समाज में सार्थक परिवर्तन आएगा। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने यह स्पष्ट किया कि नशे की रोकथाम तभी संभव है, जब समाज मांग करना बंद कर दे। आपूर्ति रोकना पुलिस का काम हो सकता है, लेकिन मांग को समाप्त करना समाज और परिवार का दायित्व है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में जो पहल की, वह अब एक राष्ट्रीय उदाहरण बन रहा है। हर पंचायत को जागरूक कर, युवाओं को जोड़कर, नशा विरोधी समितियाँ गठित की गईं। विद्यालयों में नशा मुक्त प्रवेश शपथ, सामाजिक बहिष्कार के जरिए ड्रग पेडलर्स पर नियंत्रण, और सांस्कृतिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना, यह सब उसी प्रयास का परिणाम है। भारत की हर राज्य सरकार को इस हिमाचल मॉडल से प्रेरणा लेकर अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार रणनीति बनानी होगी।

ब्रह्माकुमारी, जीवन विद्या मिशन, रामकृष्ण मिशन, गायत्री परिवार, निरंकारी मिशन जैसे संगठनों की सक्रिय भागीदारी इस अभियान को एक गहरी आत्मिक और मनोवैज्ञानिक दिशा दे रही है। नशा केवल एक रासायनिक लत नहीं, बल्कि यह आत्मा की रिक्तता का परिणाम है। जब व्यक्ति भीतर से खाली होता है, तब वह बाहरी उत्तेजनाओं में अर्थ तलाशता है और वही नशा बन जाता है। ध्यान, योग, सत्संग और सेवा की भावना के माध्यम से जो आत्मबोध उत्पन्न होता है, वह किसी भी नशे से कहीं अधिक शक्तिशाली आनंद प्रदान करता है। यही वह राह है, जो इस अभियान को स्थायी सफलता की ओर ले जा सकती है। इस संवाद में एक महत्वपूर्ण बिंदु यह भी था कि पंचायत निधि, मनरेगा और बजट का एक हिस्सा अब नशा मुक्ति अभियान और युवा संस्कार केंद्रों में निवेश किया जाए। यदि हर ग्राम पंचायत अपने क्षेत्र में एक नशा जागरूकता दीवार, एक खेल मैदान, और एक ध्यान/संस्कार केंद्र स्थापित कर दे, तो नशा के विरुद्ध लड़ाई की मजबूत नींव गाँव से ही तैयार हो जाएगी। इसके साथ-साथ मीडिया, सिनेमा, डिजिटल प्लेटफार्म पर भी जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। हर प्रभावशाली व्यक्ति, नेता, अभिनेता, संत, शिक्षक, यदि एक स्वर में यह कहे : नशा नहीं करेंगे, और नशा करने वालों को रोकेंगे,ह्व तो एक नैतिक क्रांति संभव है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। यदि यह युवा वर्ग ही नशे की गिरफ्त में आ जाए, तो न राष्ट्र की प्रगति संभव है और न ही सभ्यता की रक्षा। इसलिए यह आवश्यक है कि इस अभियान को मात्र प्रशासनिक आदेश या भाषणों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे युवाओं के नेतृत्व में एक जनांदोलन के रूप में विकसित किया जाए। कॉलेजों में नशा मुक्त छात्र संघ, गांवों में युवा नशा विरोधी समिति, और जिलों में सामाजिक न्याय मंच बनाकर इस लड़ाई को जन-जन तक पहुं चाना होगा।

यह केवल अभियान नहीं, यह एक राष्ट्रीय चेतना है. नशा मुक्त भारत कोई नारा नहीं, यह राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। यदि भारत को भविष्य में एक समर्थ, समरस और संस्कारित राष्ट्र बनाना है, तो आज ही हमें यह संकल्प लेना होगा. हम नशा नहीं करेंगे, नशे को सहन नहीं करेंगे, और अगली पीढ़ी को बचाएंगे। यह अभियान अधिकारियों का नहीं, हमारे अंत:करण का है। जब नशे को सामाजिक अपराध की तरह देखा जाएगा, जब संस्कार को सम्मान और नशे को तिरस्कार मिलेगा, तब जाकर यह देश वास्तव में स्वतंत्र होगा, क्योंकि असली आजादी तब होती है जब आत्मा नशे की गुलामी से मुक्त हो. काशी से नशा मुक्त भारत की नई शुरूआत, आध्यात्मिक चेतना से युवाओं को मिला दिशा-संकेत है. काशी घोषणापत्र ने युवाओं के नेतृत्व में नशामुक्ति आंदोलन का पांच वर्षीय खाका प्रस्तुत किया

राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी काशी। रुद्राक्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन के समापन अवसर पर काशी घोषणापत्र को औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया गया। यह घोषणापत्र 2047 तक नशा मुक्त भारत की संकल्पना को मूर्त रूप देने वाला दस्तावेज है, जिसमें युवाओं को इस महाअभियान का अग्रदूत माना गया है। यह सम्मेलन न केवल युवाओं की शक्ति और आध्यात्मिक चेतना का संगम था, बल्कि भारत की सामाजिक संरचना में सकारात्मक परिवर्तन का बीज बोने वाला आयोजन भी। 600 से अधिक युवा नेता और 120 से अधिक आध्यात्मिक-सांस्कृतिक संगठनों के प्रतिनिधि इस समागम में शामिल हुए। सम्मेलन के चार सत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी, मानसिक प्रभाव, पुनर्वास और जन-जागरूकता अभियानों पर गंभीर विमर्श हुआ। डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, ने स्पष्ट शब्दों में कहा, यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि भारत की युवा शक्ति का साझा संकल्प है। भारत की आध्यात्मिक शक्ति अब इस नशा मुक्ति अभियान की रीढ़ बनेगी। उन्होंने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने पर बल दिया और कहा कि यह केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं की साझेदारी से ही सफल होगा।

काशी घोषणापत्र में प्रमुख रूप से इन बातों को रेखांकित किया गया : नशे को एक बहुआयामी सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक संकट मानते हुए नीति निर्माण. आध्यात्मिक, शैक्षिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं का समावेश. संयुक्त राष्ट्रीय समिति, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट और पुनर्वास सेवाओं हेतु राष्ट्रीय मंच का गठन. युवाओं के नेतृत्व में माय भारत के अंतर्गत जन-जागरूकता व शपथ अभियानों की शुरूआत. घोषणापत्र की समीक्षा वर्ष 2026 के विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल श्री शिव प्रताप शुक्ला ने कहा, काशी सनातन चेतना का केंद्र है। हम केवल एकत्र नहीं हो रहे हैं, बल्कि एक राष्ट्रीय परिवर्तन के बीज बो रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि भारत जैसे युवा राष्ट्र में 65 फीसदी आबादी मादक द्रव्यों की चपेट में आ गई, तो केवल वही युवा भविष्य का निमार्ता होगा, जो इससे मुक्त होगा।

स्त्रियों के आर्थिक विकास से जुड़ी राष्ट्र की मुख्य धारा

संजीव ठाकुर

भारत में महिलाओं के विकास का अति संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है। प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है। परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा था। इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता, ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएं' भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही है। इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैं। सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25% से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60% महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है ।इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50% भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

दीवारों से घिरे लोग

-डॉ. नीरज भारद्वाज

सिनेमा, साहित्य और समाज सभी हमें अलग-अलग पक्षों पर अलग-अलग शिक्षा देते हैं। सिनेमा और साहित्य दोनों ही समाज का अंग हैं। इस दृष्टि से समझे तो समाज सबसे बड़ी शक्ति है, इसमें सभी कुछ दिखाई देता है। व्यक्ति समाज में जीवन यापन करता है और समाज के साथ ही रहता है। जो समाज से कट जाता है, वह हर एक हिस्से से धीरे-धीरे कटता चला जाता है। सिनेमा जगत में एक फिल्म बनी थी दीवार, जिसमें अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके भाई के बीच एक दीवार खड़ी हो जाती है। एक अच्छाई के रास्ते पर चलता है तो दूसरा बुराई के रास्ते पर चलता है। इसी के चलते दोनों भाई अलग-अलग रहने लगते हैं। भाई-भाई के बीच घर का बंटवारा कितनी ही फिल्मों में दिखाया गया है। जब घर के बीच में दीवार होती है और एक ही परिवार दो हिस्सों में बट जाता है, यह बहुत ही दर्दनाक भी होता है। दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि अलग-अलग होकर ही यह देश-दुनिया बनी है। यहाँ ईंट-पत्थर की दीवार की बात नहीं हो रही है, विचारों के दीवार की बात हो रही है।

देखा-समझा जाए तो यह दीवार बड़े गजब की चीज है। कुछ लोग तो इन दीवारों में ही बंधे रहना चाहते हैं. कुछ लोग दीवारों को खरीदने-बेचने में ही लगे रहते हैं अर्थात बिल्डिंग, घर, फ्लैट आदि। दूसरी ओर देखें तो किसी ने अपनी पद प्रतिष्ठा की ऊंची-ऊंची दीवारें खींच ली हैं जिन्हें कोई लांघ ही नहीं सकता, ऐसा उन्हें लगता है। वह किसी से मिलना नहीं चाहते हैं. उस चार दीवारी में उनका मनचाहा ही प्रवेश करता है। लोग दीवारों को ही सजाने में लगे रहते हैं, जबकि संस्कारों से सजा हुआ घर ही सुंदर होता है। दीवारों से घिरा व्यक्ति केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति में लगा रहता है। स्वतंत्रता से पूर्व की एक कविता में माखनलाल चतुवेर्दी लिखते हैं कि, ऊंची काली दीवारों के घेरे में अर्थात उस समय वह जेल में बंद हैं और वह देश को स्वतंत्र करना चाहता है। अंग्रेजी सरकार का विरोध करते हैं। ठीक इसके विपरीत आज का व्यक्ति स्वतंत्र होने के बाद भी दीवारों में घिरा रहना चाहता है, उन्हीं में अपने जीवन को खापा रहा है। विचार करें तो सभी दीवारें समय के गति चक्र में अपने आप टूट जाती हैं। जिन्हें व्यक्ति तोड़ना नहीं चाहता, एक समय में व्यक्ति स्वयं टूट कर बिखर जाता है। आयु व्यक्ति को तोड़ देती है, समय उसे स्वयं उत्तर दे देता है। समय बहुत बलवान है, उसकी लाठी में आवाज नहीं होती है। भारतेंदु हरिश्चंद्र अंधेर नगरी नाटक में दीवार के गिरने की घटना को दिखाते हैं जिसके चलते आगे पूरा नाटक चलता है और पूरे नाटक में कितनी बड़ी गलतियां होती हैं, वह सब दिखाया गया है। हम लोगों के बीच दीवारें क्यों खींच रहे हैं? हम इनमें क्यों घिरे बैठे हैं, इसका उत्तर हमें स्वयं से ही जानना होगा। कवि की पंक्तियां याद आती हैं कि, मेरे घर में छह ही लोग चार दीवारें छत और मैं। एकल परिवार से आगे आज व्यक्ति अकेला रह गया है। हमें अपने जीवन को समझना होगा।

महानगर पालिका स्कूल आखिरकार बनेगा- विधायक स्नेहा दुबे की मेहनत रंग लाई

वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। वसई विरार नगर क्षेत्र के नागरिकों के लिए एक लंबे समय से प्रतीक्षित सपना अब साकार होने जा रहा है। क्षेत्र में महानगर पालिका स्कूल की स्थापना को लेकर वर्षों से चल रही मांग अब पूरी होने जा रही है, जिसका श्रेय जाता है क्षेत्र की जनप्रतिनिधि, माननीय विधायक स्नेहा दुबे पंडित और राजन नाइक को। यह मुद्दा पिछले तीन वर्षों से लगातार विधानसभा सत्रों में उठाया जा रहा था। स्नेहा दुबे और राजन नाइक ने ठोस प्रमाणों के साथ इस विषय को मजबूती से उठाया और अंततः प्रशासन को इसके समाधान की दिशा में कार्य करने के लिए बाध्य किया। उनकी इस सफलता पर पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित सम्मान समारोह में विधायक स्नेहा दुबे ने केंद्रीय मंत्री श्री नीलेश राणे को शॉल और श्रीफल भेंट कर उनका आभार प्रकट किया। यह सम्मान समारोह ब्रिजेश कुमार, केतन गांधी और मयूर सोनी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विधायक स्नेहा दुबे ने इस मौके पर कहा, ₹यह केवल एक स्कूल नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की नींव है। हम सभी को इस उपलब्धि पर गर्व होना चाहिए।

मुंबई महानगर क्षेत्र का घोड़बंदर रोड सबसे किफायती इंफ्रास्ट्रक्चर-लिंक्ड कारिडोर बनकर उभरा

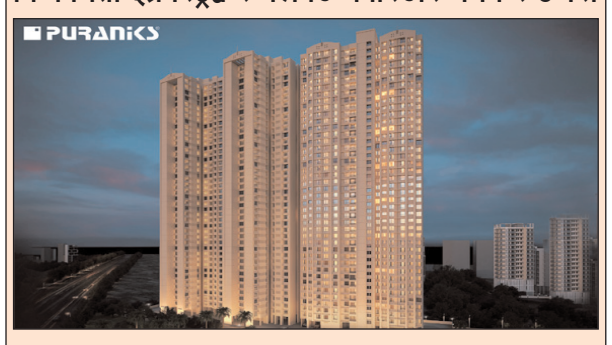

मुंबई। ठाणे का घोड़बंदर रोड मध्यम आय वर्ग के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) का आसान और किफायती आवासीय कॉरिडोर बनकर उभरा है–विशेषकर ऐसे समय में जब नवी मुंबई, कल्याण और पनवेल जैसे आसपास बाजारों में संपत्ति की कीमतें वेतन वृद्धि से आगे निकल चुकी हैं और पहली बार घर खरीदने वालों के लिए चुनौतीपूर्ण हो गई हैं। सीआरई मैट्रिक्स के अनुसार, घोड़बंदर रोड पर संपत्ति मूल्य वर्ष 2014 में 6,400 रु प्रति वर्गफुट से बढ़कर 2024 में 13,800-18,000 3 प्रति वर्गफुट तक पहुंच गए हैं। यह वृद्धि लगभग 8.3% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को दशार्ती है। तुलना करें तो, नवी मुंबई के ऐरोली जैसे क्षेत्रों में यह दर 10.5% से अधिक रही है, जहां औसत मूल्य 23,500 रु प्रति वर्गफुट है। वहीं कल्याण के नए क्षेत्रों में कुछ क्लस्टर्स में कीमतें 19,000 रु से अधिक हो गई हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर सरेखण को इस लचीलापन का प्रमुख कारण माना जा रहा है। मेट्रो लाइन-4 (वडालाझकासरवडावली), जिसमें 32 स्टेशन हैं, अब उन्नत परीक्षण चरण में है और इसके 2026 की दूसरी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है। कासरवडावली फ्लाईओवर, जो मार्च 2024 से चालू है, ने पीक आवर्स में ट्रैफिक को 35% तक घटा दिया है। वर्तमान में निमार्णाधीन ट्विन-ट्यूब बोरीवलीझठाणे सुरंग भी भविष्य के कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाएगी। डेवलपर संकेन्द्रण के मामले में, पुराणिक बिल्डर्स घोड़बंदर रोड पर सबसे बड़ा एकल व्यवसायिक उपस्थिति रखते हैं।

पुराणिक बिल्डर्स के प्रबंध निदेशक शैलेश पुराणिक ने कहा–घोड़बंदर रोड हमारे लिए केवल एक रियल एस्टेट अवसर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शहरी ज़िम्मेदारी है। हमने यहाँ तब निवेश किया जब बहुत कम डेवलपर्स मध्यम वर्ग की जरूरतों पर ध्यान दे रहे थे। हमने देखा कि मुख्य क्षेत्रों से वेतनभोगी परिवार धीरे-धीरे बाहर जा रहे थे और हमने उनकी आकांक्षाओं पर काम करने का निश्चय किया। आज यह सिद्ध हो चुका है कि बुनियादी ढांचे से जुड़े, किफायती और टिकाऊ आवास ही इस क्षेत्र की वास्तविक जरूरत हैं–और आगे भी रहेंगे।

आईकैट करेगा महाराष्ट्र में फ्लाइंग आईसीयू एयर एंबुलेंस सेवा की शुरूआत

मुंबई। बेंगलुरु की एयर एंबुलेंस सेवा कंपनी आईकैट ने महाराष्ट्र में ट्रामा केयर सेवाओं को तेज करने के लिए अपने अत्याधुनिक और एकीकृत हेलिकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस (एचईएमएस) शुरू करने को लेकर राज्य सरकार से बातचीत शुरू कर दी है। आईकैट फ्लाइंग आईसीयू की तर्ज.पर ऐसी हेलिकाप्टर और एयरक्राफ्ट यूनिट्स का संचालन करती है, जो आधुनिक आईसीयू सुविधा, सर्जिकल उपकरणों और प्रशिक्षित ऐरो-मेडिकल टीम से सुसज्जित होती हैं। ये यूनिट्स खासतौर पर हाईवे, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में दुर्घटना स्थल पर ही प्राथमिक और गहन उपचार देने में सक्षम होती हैं, और गोल्डन ऑवर के भीतर रोगी की जान बचाने में अहम भूमिका निभाती हैं। आईकैट की यह सेवा भारत में यूके के एचईएमएस मॉडल पर आधारित है और मध्य प्रदेश में सरकारी योजना पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा के रूप में एक साल से सफलतापूर्वक संचालित हो रही है। यह सेवा राज्य के सभी 55 जिलों में हेलिकाप्टर और फिक्स्ड-विंग एयर एंबुलेंस के जरिए संचालित की जा रही है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और जिला प्रशासन के साथ समन्वय में कार्य करती है। इसके अंतर्गत ट्रॉमा या गंभीर बीमारियों से ग्रसित रोगियों को बिना किसी शुल्क के हवाई रास्ते से उपचार के लिए ले जाया जाता है। अब आईकैट इसी पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल को अन्य राज्यों में लागू करने जा रही है, जिसमें फायर ब्रिगेड, पुलिस और एंबुलेंस सेवाओं को जोड़ते हुए एक समन्वित आपातकालीन सेवा नेटवर्क तैयार किया जाएगा।

हर हर महादेव के जयघोषों से गूंज उठा बोईसर

- विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा आयोजित भव्य शिव कावड़ यात्रा संजान के लिए हुई रवाना
- संतों व गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ शुभारंभ

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सावन मास की शुरूआत के साथ ही बोईसर शहर शिवभक्ति की रंग में रंग गया। श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन से ओतप्रोत बोईसर-वाणगंगा शिव कावड़ यात्रा रविवार 20 जुलाई 2025 को श्री दुर्गा माता शक्तिपीठ मंदिर, अवधनगर से विधिवत पूजन-अर्चन के बाद संजान स्थित अमरकंटक महादेव मंदिर, हुमरान तपस्वी आश्रम के लिए रवाना हुई। यात्रा का शुभारंभ तपस्वी आश्रम के ब्रह्मलीन तंत्र संत श्री श्री 1008 सरखंडी जी महाराज के कृपा पात्र एवं सिद्ध संत श्री 108 झारखंड ऋषि जी महाराज, महामंडलेश्वर काशिदास जी महाराज तथा संत श्री भारतानंद सरस्वती जी महाराज के पावन सान्निध्य में नारियल फोड़कर किया गया। पूरे वातावरण में ₹हर हर महादेव₹ के गगनभेदी जयघोष गूंजते रहे।

यात्रा के इस शुभ अवसर पर धर्म, समाज एवं राजनीति से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिसमें प्रमुख रूप से विकास नाईक (उपविभागीय पोलीस अधिकारी, बोईसर), शिरीष पवार (प्रभारी, बोईसर पोलीस स्टेशन), भरत

राजपूत (भाजपा जिलाध्यक्ष),संजय पाटील (वरिष्ठ भाजपा नेता, शिवशक्ति सामाजिक संगठन प्रमुख), नीलम संखे, प्रभाकर राऊल, अशोक वडे, महेंद्र भोने, चंद्रकांत जाधव, लक्ष्मी चांदणे, जनार्दन चांदणे, सत्यप्रकाश सिंह (राष्ट्रीय अध्यक्ष, नमो नमो मोर्चा भारत एवं प्रारंभ प्रतिष्ठान प्रमुख), जुली संजय बारी, सुरेश साहनी, आर.बी.सिंह, हनुमान सिंह, रवि सिंह, धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र से शोभनाथ त्रिपाठी, स्वामीनाथ पाण्डेय, मनदेव दुबे, दयाराम मिश्रा, अरुण तिवारी करिया बाबा, बच्चन शुक्ला, विजयशंकर तिवारी, प्रेमशंकर तिवारी, गिरजेश सिंह, रवि गुप्ता,तुलसीराम केवट, रविंद्र मिश्रा, संजय सिंह, सतेंद्र सिंह, जितेंद्र दुबे, नंदन मिश्रा,बी.बी. सिंह, प्रदीप सिंह, घनश्याम सिंह, विकास शुक्ला आदि कांवड़ियों के उत्साहवर्धन के लिए उपस्थित थे। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारियों ने यात्रा की भव्यता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें प्रमुख रूप से चंदन सिंह, महावीर जैन, मुकेश दुबे, एस.पी. सिंह, अरविंद सिंह, कुंदन सिंह, राबिन सिंह, गणेश राणा, रामरंजन सिंह, मायाराम गुप्ता, निमोर्ही यादव का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम का सूत्र संचालन बजरंग दल के फायर ब्रांड वक्ता मनोज मिश्र ने किया।

यात्रा के मार्ग में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था।शिवभक्तों की टोली पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन, जयघोष और अनुशासन के साथ चलती रही। इस आयोजन ने बोईसर शहर को अध्यात्म और भक्ति की ऊर्जा से सराबोर कर दिया। ₹हर हर महादेव₹ के नारों से गूंजता बोईसर, सावन की शिवभक्ति में डूबा हुआ प्रतीत हुआ।

जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से अनिल गलगली ने लिया आशीर्वाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठ के परमधमार्धीश, परमाराध्य परमपूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज के दिव्य सान्निध्य में आरटीआई कार्यकर्ता एवं अग्निशिला मासिक के संपादक अनिल वेदव्यास गलगली को आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस पावन अवसर पर संपादक अनिल गलगली ने पूज्य शंकराचार्य जी को जनजागरण, जनहित और सांस्कृतिक मूल्यों को समर्पित अग्निशिला पत्रिका की प्रति भेंट की। स्वामिश्रीः ने पत्रिका की दिशा व उद्देश्य की सराहना करते हुए समाज में सकारात्मक चेतना के लिए इसके योगदान की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, समाजसेवी देवेश ठाकुर, समाजसेवी बब्बन सिंह, केके सिंह, सुरेंद्र सिंह, रवि सिंह, शैलेंद्र श्रीवास्तव एवं एम एल सोनी एवं राजकुमार जाजू सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

लायंस क्लब ऑफ भिवंडी द्वारा मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह में डा. ओमप्रकाश अग्रवाल के छात्रों ने मारी बाजी

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के गोपाल नगर स्थित दांडेकर विद्यालय में लायंस क्लब आफ भिवंडी द्वारा आयोजित मेरिट शील्ड 2024/25 वितरण कार्यक्रम में डा. ओमप्रकाश अग्रवाल इंग्लिश हाई स्कूल को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बतादें कि उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य एस.एस.सी एवं एच.एस.सी बोर्ड परीक्षा 2024/25 के मेधावी छात्रों तथा उनके शिक्षकों का सम्मान करना था, जिन्हें ट्राफी एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। एस.एस.सी बोर्ड परीक्षा में डॉ. ओमप्रकाश अग्रवाल इंग्लिश हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने इन विषयों में भिवंडी में अव्वल अंक लाने में सफल रहे। मराठी में चौहान स्वरित

सुनील कुमार, शिक्षक खान फिरोज, हिंदी में तिवारी यशकुमार मुन्ना, शिक्षक उदयप्रताप सिंह, गणित में राय सूर्यांश संजय, शिक्षक बीचवे अविनाश, विज्ञान में चौहान स्वरित सुनील कुमार, शेख अलीजा फिरोज अहमद, मोमिन अशना मो, आसिम, शिक्षक जाधव सतीश, मौर्या अनिलकुमार सोशल सायंस में राय सूर्यांश संजय, शिक्षिका उपाध्याय पूजा एवं मेनन प्रिया आदि । लायंस क्लब की क्रायटेरिया के अनुसार 100% रिजल्ट देने वाला एक मात्र स्कूल डा. ओमप्रकाश अग्रवाल इंग्लिश हाई स्कूल है। इसी स्कूल के छात्र राय सूर्यांश संजय टापर 97.80% चुना गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल खान फिरोज को लायंस क्लब की ओर से बधाई एवं एक ट्रॉफी प्रदान की गई। जिसके बाद उक्त स्कूल के प्रिंसिपल फिरोज खान ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि इस सफलता में सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। खान ने स्कूल के प्रबंधक और एडमिनिस्ट्रेटर वी बी राय के सपोर्ट के लिए उनका आभार व्यक्त किया। प्रिंसिपल खान के अलावा पर्यवेक्षक सतीश जाधव, प्रायमरी स्कूल के मुख्याध्यापक धुमाल उमाकांत, एवं अन्य शुभचिंतकों ने सभी तेजस्वी विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों को बधाईयां दी। डा. ओमप्रकाश अग्रवाल इंग्लिश हाई स्कूल के फाउंडर प्रिंसिपल व वर्तमान एडमिनिट्रेटर वी.बी. राय, भिवंडी एज्यूकेशन सोसायटी के अध्यक्ष कमल एस अग्रवाल, सेक्रेटरी हाजी अब्दुल रहमान अंसारी आदि ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दिये ।

राज्य के गृह मंत्री के हांथो विद्यार्थियों का सम्मान

मयूर पाटील के कार्यों की सराहना: मंत्री योगेश कदम

कल्याण (उत्तर शक्ति)। टिटवाला में शिवसेना के पूर्व नगरसेवक मयूर पाटील द्वारा विद्यार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के गृहराज्य मंत्री योगेश कदम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। योगेश कदम के हाथों दसवीं और बारहवीं में सफल हुए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

बतादें कि प्रत्येक वर्ष टिटवाला में शिवसेना की ओर से विद्यार्थियों का सम्मान किया जाता है। हालांकि इस साल मयूर पाटिल फाउंडेशन ने स्वराज्य कोंकण प्रतिष्ठान के सहयोग से भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर राज्य के गृहमंत्री योगेश कदम ने आयोजक मयूर पाटिल के कार्यक्रम की सराहना की और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर शिंदे गुट के की जिला संगठक छाया वाघमारे, शहर प्रमुख रवि पाटिल, पूर्व नगरसेविका नमिता पाटिल, प्रदीप घाणेकर आदि पदाधिकारी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महेश गायकवाड़ के हांथो जलवाहिनी लोकार्पण

महेश गायकवाड के प्रयासों से पानी समस्या खत्म

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के नांदिवली-लक्ष्मीनगर, प्रभाग क्रमांक १०६ की पंद्रह वर्षों से चली आ रही जलसंकट की समस्या आखिरकार समाप्त हो गई है। शिवसेना के पूर्व शहर प्रमुख महेश गायकवाड के प्रयासों और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में महापालिका के जलप्रदाय विभाग ने तत्काल मांग पूरा करते हुए परिसर में ६ इंच की जलवाहिनियां डालीं। इस जलवाहिनियों का लोकार्पण समारोह महेश गायकवाड के हाथों नारियल फोड़कर और जलप्रवाह शुरू कर बड़े उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

बतादें की जलवाहिनी प्रकल्प के लिए लगभग १५ लाख रुपये का खर्च अपेक्षित होते हुए भी कार्य के लिए लगने वाला अतिरिक्त खर्च स्वयं उठाकर इस कार्य की पूर्ति करने में महेश गायकवाड ने पहल की।

इस समय ओम साई प्लाजा के गोरख शिंदे, वसंत विहार अपार्टमेंट के निलेश राजे, शंखलेश्वर अपार्टमेंट के अरुण नांदगावकर, नीलकंठ अपार्टमेंट के विकास तिवारी, वैभव अपार्टमेंट के संदीप मडियलकर, साईदीप चाली के सातपुते इन पदाधिकारियों समेत प्रशांत बोटे, कृष्णा पाटील, शंकर पाटील, भगवान पाटील, सहित स्थानीय रहिवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वसई रोड के समाजसेवी और भाजपा नेता नवनीत दुबे का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

वसई रोड(उत्तरशक्ति)। वसई रोड के प्रतिष्ठित समाजसेवी और भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय नेता नवनीत दुबे का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ विभिन्न स्थानों पर मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकताओं और समर्थकों ने उनकी दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जन्मदिन समारोह की शुरूआत एवरशाइन ऑफिस से हुई, जिसके बाद वसई विधायक स्नेहा दुबे के कार्यालय और साईं नगर 97 कार्यालय में भी केक काटकर और मिठाई वितरित कर जन्मदिन मनाया गया। सभी जगहों पर कार्यकताओं और शुभचिंतकों ने नवनीत दुबे को शुभकामनाएं दीं।

समारोह का मुख्य आयोजन साईं नगर 97 में हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस मौके पर उपस्थित प्रमुख लोगों में ब्रिजेश

कुमार, नरेंद्र सोनी, मनोज शर्मा, नागेश हेबले, कल्पेश चौहान, दिनेश राउत, प्रिया प्रेमलवर, बबीता शर्मा, बकुल मेहता, कोठारी, लालजी कनोजिया, विजय राज गोर, कंचन सोनी शामिल थे।

इसके साथ ही उत्तर शक्ति डेली न्यूज के रिपोर्टर नरेंद्र सोनी ने उत्तर शक्ति की ओर से नवनीत दुबे को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीर्घ जीवन और सेवा भावना की सराहना की।

वसई रोड में माधवराव मुल्ये फाउंडेशन द्वारा तव्पूर्ति एवं छात्र सम्मान समारोह आयोजित

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। माधवराव मुल्ये फाउंडेशन द्वारा तव्पूर्ति एवं छात्र सम्मान समारोह का आयोजन न्यू इंग्लिश स्कूल, लाइब्रेरी हॉल, वसई पश्चिम में किया गया। इस प्रेरणादायी कार्यक्रम की अध्यक्षता वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने की, जो विशेष रूप से उपस्थित रहीं। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में निरंतर सेवा देने वाले तपस्वियों को भी विशेष रूप से सम्मान प्रदान किया गया। इस सराहनीय पहल ने विद्यार्थियों के मन में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया। कार्यक्रम के आयोजक माधवराव मुल्ये फाउंडेशन के अध्यक्ष मुकुंद मुल्ये थे। इस अवसर पर डॉ. श्याम रावुल, हरेंद्र पाटिल, मयंक शेठ, गोपी मेनन, बिजेंद्र कुमार, संतोष काकड़, देवदत्त मेहर, विनायक पंडित प्रतिष्ठान के अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। समारोह के दौरान पूरे वातावरण में प्रेरणा, उत्साह और सामाजिक चेतना का भाव अनुभव किया गया।

भिवंडी में प्रो .रशीद अशरफ खान के सम्मान में काव्य संध्या का भव्य आयोजन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। यशवंत राव चौहान महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय नासिक के सहायक प्रोफेसर डा. रशीद अशरफ खान के भिवंडी आगमन पर अल-हमद एजुकेशन सोसाइटी द्वारा अल-हमद हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज परिसर में उनके सम्मान में काव्य संध्या का आयोजन प्रख्यात शायर एवं हास्य व्यंग लेखक मोहम्मद रफी अंसारी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रेयाजुद्दीन खान एवं प्रिन्सिपल जियाउर्रहमान अंसारी उपस्थित थे। विशेष अतिथि के रूप में मुहम्मद हुसेन खान, तारिक खान,अबदुल हसीब जामयी,अबू जर खान,अबू ओमामा शेख मुखलिस मदू आदि उपस्थित थे। प्रिंसिपल ज़िया-उर-रहमान अंसारी ने उद्घाटन भाषण प्रस्तुत किया। काव्य संध्या कार्यक्रम में जिन शायरों ने अपनी शायरी पेश की उनमें जाहिर बस्तवी,अमीर हमजा हलबे,शकील अहमद शकील,अब्दुल वहाब कमर, नदीम फाजली,ऐनुद्दीन आजिम आदि प्रमुख थे। इस अवसर पर डा. रशीद अशरफ खान ने अपनी शायरी से दर्शकों का मनमोह लिया। जफर आलम जामई ने कार्यक्रम का सुचारु रूप से संचालन का दायित्व निभाया। रेयाजुद्दीन खान (सचिव, अल-हम्द एजुकेशन सोसाइटी) ने सभी अतिथियों,शायरों और श्रोताओं का हार्दिक स्वागत किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में निजी बस की टक्कर से दो कांवड़िए हुए घायल, जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के महरुपुर गांव के पास शनिवार रात एक दो युवक उस समय घायल हो गए जब एक प्राइवेट बस ने उन्हें टक्कर मार दी। रिपोर्ट के मुताबिक, खेतासराय थाना क्षेत्र के जैगहां गांव के साथ पैदल यात्रा कर रहे थे। शनिवार की रात करीब दो बजे महरुपुर गांव के पास एक तेज रफ्तार से आ रही एक प्राइवेट बस ने उन्हें धक्का मार दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही जफराबाद थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया गया। अस्पताल में दोनों कांवरियों का प्राथमिक उपचार किया गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बस चालक को हिरासत में ले लिया है और वाहन को कब्जे में लेकर आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है।

दर्दनाक हादसे में दो कांवड़िए घायल हो गए। काशी से जल चढ़ाकर लौट रहे कांवड़ियों के एक दल में शामिल निवासी विकास (उम्र 18 वर्ष), पुत्र जमुनी, तथा अमित प्रजापति (उम्र 20 वर्ष), पुत्र सियाराम अपने टोली

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त किया जाए ताकि आगे इस तरह की घटना की पुनरावृति न होने पाए।

सामाजिक कार्यकर्ता सूर्या सिंह गोंड़ को सपा की महिला सभा में प्रदेश सचिव पद की मिली जिम्मेदारी

स्वच्छता अभियान में सक्रिय भूमिका के चलते पार्टी नेतृत्व ने जताया भरोसा

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जिले के दुद्धी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मलदेवा गांव की सामाजिक कार्यकर्ता सूर्या सिंह गोंड़ को समाजवादी पार्टी की महिला सभा में प्रदेश सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति सपा प्रमुख अखिलेश यादव, महिला सभा की प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव व वरिष्ठ नेता श्याम लाल पाल के निर्देश पर की गई। सूर्या सिंह गोंड़ ने सोनभद्र में अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री से निकलने वाले प्रदूषण और गंदगी के खिलाफ स्वच्छता अभियान चलाकर स्थानीय प्रशासन को हरकत में ला दिया था। उनकी इस पहल पर प्रशासन ने फैक्ट्री को निर्देशित करते हुए स्वच्छता व पर्यावरण सुरक्षा हेतु विशेष उपाय सुनिश्चित कराए। यह प्रयास क्षेत्र में चर्चित रहा और आम जनमानस के बीच उनकी सामाजिक चेतना को सराहा गया। प्रदेश सचिव बनाए जाने पर सूर्या सिंह गोंड़ ने कहा समाजवादी पार्टी ने मुझ पर जो विश्वास जताया है। मैं उस पर खरी उतरने का प्रयास करूंगी। पार्टी की नीतियों और महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना ही मेरा लक्ष्य रहेगा। उन्होंने समाजवादी पार्टी के पूर्ववर्ती शासनकाल को महिला हितैषी बताते हुए कहा कि सपा सरकार के समय 102, 108, 1090 जैसी आपातकालीन सेवाएं, वृद्धा एवं विधवा पेंशन, कन्या विद्याधन योजना जैसी योजनाएं महिलाओं के लिए वरदान साबित हुई थीं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी ही वह राजनीतिक दल है जो नारी शक्ति के अधिकारों और सुरक्षा के लिए ठोस नीतियां बनाकर उन्हें जमीन पर उतारने का कार्य करती है। प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी मिलने के बाद उनके समर्थकों और स्थानीय ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सूर्या सिंह गोंड़ की नियुक्ति पार्टी की ग्रामीण महिलाओं से सीधा जुड़ाव मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा हो सकती है।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान के तहत किया गया जागरूक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महिला सुरक्षा व सशक्तिकरण हेतु मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों एवं एंटी रोमियो स्क्वॉड द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों तथा मिशन शक्ति टीमों ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, शिक्षण संस्थानों, चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा संसाधनों के प्रति जागरूक किया। प्रमुख बिंदु, महिला सशक्तिकरण से जुड़ी प्रमुख योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना। महिला सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई एवं पंपलेट वितरित किए गए। वीमेन पावर लाइनझ 1090, महिला हेल्पलाइनझ181, पुलिस आपात सेवाझ112, सीएम हेल्पलाइनझ1076, स्वास्थ्य सेवाझ102, एम्बुलेंसझ108, साइबर हेल्पलाइनझ1930, सहभागिता एवं संवाद, अभियान के दौरान महिला पुलिसकर्मियों ने आमजन विशेषकर युवतियों एवं महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की असुविधा या उत्पीड़न की स्थिति में वे निःसंकोच पुलिस से संपर्क करें।

उपस्थित नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की। जनपद पुलिस की प्रतिबद्धता, जनपद जौनपुर पुलिस द्वारा यह जागरूकता अभियान मिशन शक्ति के तहत निरंतर जारी रहेगा। ताकि समाज में महिला सुरक्षा को लेकर सकारात्मक वातावरण एवं जनसहभागिता को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

शाहगंज में पत्नी से मांगा 5 लाख दहेज, न देने पर पति ने की मारपीट, काट दिए बाल

पुलिस ने दर्ज किया दहेज उत्पीड़न का केस कर, जाँच में जुटी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का एक मामला सामने आया है। ग्राम एराकियाना निवासी नाजिया परवीन ने अपने पति शाहिद रिजवान पर दहेज की मांग और मारपीट का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि बुधवार को उसके पति ने बिना किसी कारण उसकी पिटाई की।

पति ने मायके से 5 लाख रुपए लाने का दबाव बनाया। पैसे न लाने पर लगातार मारपीट की धमकी दी। शादी के कुछ समय बाद से ही पीड़िता दहेज की मांग का सामना कर रही है। नाजिया ने बताया कि कुछ दिन पहले पति ने जबरन उसके बाल काट दिए।

शिकायत वापस लेने की धमकी, जब वह अपने पिता के साथ थाने शिकायत करने गई, तब भी पति ने मायके फोन कर शिकायत वापस लेने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह के अनुसार पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है और पीड़िता की सुरक्षा के लिए कदम उठा रही है।

खुटहन पुलिस ने देशी तमंचा व जिन्दा कारतूस के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना खुटहन पुलिस टीम द्वारा एक देशी तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज, अजीत सिंह चौहान के व प्रभारी निरीक्षक थाना खुटहन के पर्यवेक्षण एवं दिशा निर्देशन में उ0नि0 महेन्द्र यादव मय हमराह के द्वारा मुखबीर खास की सूचना पर आरोपी सनी पुत्र लालता प्रसाद निवासी लवायन कन्हई का पुरा थाना खुटहन जनपद जौनपुर को 01 देशी तमंचा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ दिनांक 19.07.2025 को रसूलपुर से तबेला बाबा ग्राउण्ड रसूलपुर के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जलालपुर पुलिस ने मारपीट व हत्या के प्रयास के मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जलालपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन एंव श्रीमान क्षेत्राधिकारी केराकत, जौनपुर के कुशल निर्देशन व थानाध्यक्ष त्रिवेणी सिंह थाना जलालपुर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण में आज दिनांक 20.07.2025 को उ0नि0 जयदीप मय हमराह के द्वारा मु0अ0स0 241/25 धारा 191(2)/109(1)/115(2) /352/49 बीएनएस से सम्बन्धित 01 आरोपी आशुतोष सिंह पुत्र दारा सिंह निवासी सायर उगापुर थाना औराई जनपद भदोही, उम्र करीब 25 वर्ष को उसके जुर्म का बोध करते हुए उगापुर बाजार के समाप्ति स्थान पर अन्तर्गत धारा 253 बीएनएस हिरासत पुलिस में लिया गया। बाद गिरफ्तारी नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मकान मालिक का ही 2.5 लाख का आभूषण लेकर फरार हुआ सर्राफा दुकानदार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली के सरकी चौकी अंतर्गत अकबरपुर ग्राम में अजीबोगरीब मामला प्रकाश में आया है। सर्राफा दुकान का उद्घाटन करने के बाद सर्राफा दुकानदार मकान मालिक का ही 2 सोने का सिकड़ी और कनफुल लेकर फरार होगया। जानकारी के अनुसार विमला देवी पत्नी स्वर्गीय रामसूरत सिंह की अकबरपुर ग्राम में ही मकान दुकान है जोकि किराए पर लेने के बहाने से दो आदमी दो दिन पहले आए और किराए पर लिया। सुबह आकर दुकान का उद्घाटन किया और कुछ देर बाद विमला देवी से कहा आपना सोने का सिकड़ी दीजिए एक ग्राहक को दिखाना है ।साथ में बैठी मंझारी देवी पत्नी गोरखनाथ सिंह का भी सिकड़ी और कनफुल माँग लिया। जब विमला और मंझारी देवी दुकान पर अपना समान वापस लेने पहुची तो सर्राफा दुकानदार नदारद मिला। पीड़िता ने तुरंत 112 पर सूचना दी। उसके बाद सड़की चौकी से संपर्क कर आपबीती बताई ।पुलिस का कहना है कि समान साफाई के नाम पर ठगी हुई है जबकि पीड़िता का रो रोकर बुरा हाल है कुल माल की कीमत 2.5 लाख बताई जा रही है।

शाहगंज पुलिस ने नौ व्यक्तियों को शांति भंग में किया गिरफ्तार

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डा0 कौस्तुभ पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा जनपद मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर

आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजीत सिंह चौहान के निर्देशन व निकट पर्यवेक्षण मे थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा दिनांक 20/07/2025 को थाना क्षेत्र के भिन्न-भिन्न स्थानों से शान्ति भंग के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी एन एस एस में कुल 09 नफर आरोपियों को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है। गिरफ्तार आरोपी का नाम-सुमित्रा पासवान पत्नी विनोद पासवान, अवधेश चन्द्रपासवान पुत्र हरिराम पासवान, गीता पासवान पत्नी राजेश पासवान, मंजू पासवान पत्नी दिनेश पासवान, कलपा देवी पत्नी प्रसाद पासवान समस्त निवासीगण खनुवाई थाना शाहगंज जौनपुर, क्रान्ती मोदनवाल पुत्र अच्छेलाल, बृजमोहन पुत्र अच्छेलाल निवासीगण शाहपंजा (अलीनगर) थाना शाहगंज जौनपुर, राजबहादुर पुत्र स्व0 बुढ़ऊ, संजय पुत्र बहादुर निवासीगण रसूलपुर थाना शाहगंज जौनपुर।

पूर्व प्राचार्य की पुत्री का अस्सिटेंट प्रोफेसर पद पर हुआ चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा क्षेत्र के भभौरी(टिकरी खुर्द) गांव निवासी तिलकधारी महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो0 समर बहादुर सिंह की पुत्री डॉ0 मनीषा सिंह का चयन महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ में हिंदी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में हुआ। नियुक्ति की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी आस पास के लोगो ने प्रो0 समर बहादुर सिंह के आवास पर जाकर बिटियां के चयन पर बधाई दी।

18 लाख की शराब के साथ दो आरोपियों को पिपरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

पिपरी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पिपरी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी दो नफर आरोपीगण के कब्जे से 240 पेटी में 3644 शीशी कुल 2153.52 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब किमत 14.4 लाख व एक अदद कन्टेनर ट्रक किमत 35 लाख,50,000/- रूपया नगद, 02 अदद एन्ड्रायड मोबाइल बरामद।

पुलिस अधीक्षक अशोक मीणा के निर्देशन मे पिपरी क्षेत्राधिकारी अमित कुमार के मार्गदर्शन मे चलाये जा रहे अभियान अवैध मादक पदार्थ की बिक्री व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वाहन चेकिंग के सम्बन्ध में प्र0नि0 सत्येन्द्र कुमार राय मय हमराहियान उ0नि0 राजेश चौबे चौकी प्रभारी रेनुकूट मय हमराह थाना हाजी से रवाना होकर देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति वाहन में हाईटेक तिराहा पर मौजूद थे कि मुखबिरी सूचना मुर्धवा रनटोला मुख्य मार्ग से दो नफर आरोपी, रामदयाल पुत्र सदराम निवासी गंगाला, विशनोईओ की ढाणी, सोढ़ो का वास, थाना चौहटन जिला बाड़मेर राजस्थान,राजू राम पुत्र वरसीन्गा राम निवासी विशनोईओ की तला, थाना रामसर जिला बाड़मेर राजस्थान को मैकडावल नं0 ओरिजनल व्लेडेड बिस्की जिसकी मात्रा 375 मिली, कुल 09 पेटी,261 शीशी कुल 81.00 लीटर, 2. मैकडावल नं0 1 ओरिजनल व्लेडेड बिस्की जिसकी मात्रा 180 मिली। कुल 18 पेटी, 864 शीशी कुल 155.52 लीटर, 3. मैकडावल नं0 1 ओरिजनल व्लेडेड बिस्की जिसकी मात्रा 750 मिली। कुल 59 पेटी, 708 शीशी कुल 531 लीटर, 4. मैकडावल नं0 1 ओरिजनल डिलक्स बिस्की जिसकी मात्रा 750 मिली, कुल 41 पेटी, 492 शीशी कुल 369 लीटर, 5. इम्पीयल ब्लू रिजर्व ग्रेन बिस्की जिसकी मात्रा 750 मिली, कुल 85 पेटी 1020 शीशी कुल 765 लीटर, 6. इम्पीयल ब्लैक इक्स्लूसिव कलेक्शन बिस्की जिसकी मात्रा 750 मिली, कुल 28 पेटी, 336 शीशी कुल 252 लीटर अंग्रेजी अवैध शराब व 50,000 रुपया बरामद कर थाना पिपरी पर मुकदमा अपराध संख्या 150/2025 धारा-318 (4) बीएनएस इ 60/63/72 एक्स. एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर आरोपी का चालान कर दिया गया है।

तिजोरी नहीं टूटी तो सरसों और कपड़े ले भागे चोर

सरसों की जो बोरी ले गए चोर उसी में रखी थी तिजोरी की चाबी

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। इमामपुर गांव में शनिवार की रात बंद पड़े मकान का ताला रेतकर भीतर घुसे चोर चार कमरों की कुंडी तोड़ दिए। कमरे में रखी तिजोरी का लाक न टूटने पर उसी के बगल एक बोरी में रखी सरसों व कीमती कपड़े वे लेकर भाग गए। यदि चोर सरसों की बोरी में हाथ डाल टटोले होते तो उन्हें तिजोरी की चाबी मिल गई होती। गृहस्वामी दिल्ली से घर के लिए निकल चुके हैं। उक्त गांव के जिला मुख्यालय मार्ग पर संतोष सोनी का दो तले का मकान बना हुआ है। उसमें ताला बंद कर दिल्ली में रहकर अपना व्यवसाय करते हैं। शनिवार की रात चोरों ने ताला रेत दिया। उन्होंने बताया कि कमरे में तिजोरी के बगल एक बोरे में लगभग 40 किग्रा सरसों रखी थी। तिजोरी की चाबी उसी बोरे के भीतर रखी थी। यदि चाबी चोरों के हाथ लग गई होती तो बड़ी क्षति हो जाती।

वाराणसी में लोगों के घरों तक पहुंची गंगा, चेतावनी बिंदु से मात्र 24 सेमी दूर, 1200 लोगों ने छोड़ा घर

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु की ओर बढ़ने लगा है। पानी अब तेजी से शहर की कॉलोनियों की ओर बढ़ रहा है। बाढ़ से एक गांव (रामपुर ढाब), सात कालोनियों (मारुतिनगर, सलारपुर, सरैया, नक्खीघाट, ढेलवरिया, दनियालपुर, हुकुलगंज) और सदर तहसील का इलाका प्रभावित हो चुका है।

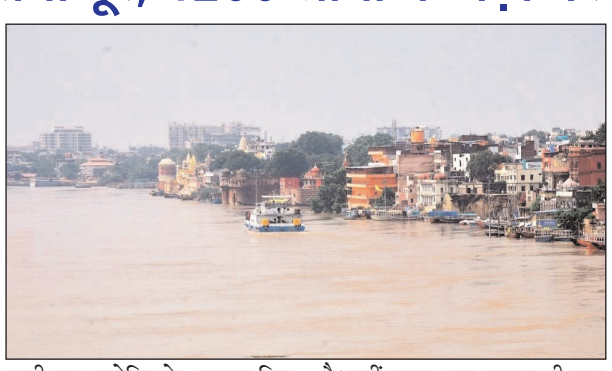

शनिवार की शाम बाढ़ का पानी मारुति नगर इलाके तक पहुंच गया। शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 70.02 मीटर दर्ज किया गया जो कि चेतावनी बिंदु से 24 सेंटीमीटर नीचे है। इससे कॉलोनी में रहने वालों को घरों का सामान निकालने का भी मौका नहीं मिला। केंद्रीय बाढ़ आयोग की ओर से जारी बाढ़ बुलेटिन के अनुसार दिन में तीन बजे गंगा का जलस्तर 69.96 मीटर दर्ज किया गया जो कि चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर से 30 सेंटीमीटर नीचे था। गंगा का जलस्तर एक सेंटीमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है। गंगा नदी का खतरे का निशान 71.26 मीटर है। वहीं रामपुर ढाब इलाका भी बाढ़ के पानी से घिर चुका है। इसके अलावा सलारपुर, सरैया, नक्खीघाट, ढेलवरिया, दनियालपुर, हुकुलगंज वार्ड भी बाढ़ प्रभावित हो चुका है। बाढ़ के कारण 142 परिवार के 1200 लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा है।

ई-रिक्शा व ऑटो के चेकिंग अभियान में उतरे वाराणसी के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल के निर्देशन में ई-रिक्शा/ऑटो चालकों के विरुद्ध नो परमिट, बारकोड, बीमा, नाबालिक चालक का विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। लापरवाह चालकों पर विधिक कार्यवाही करते हुए यातायात नियमों की जागरूकता भी कराई गई। चेकिंग अभियान में अपर पुलिस आयुक्त(अपराध) वाराणसी राजेश कुमार सिंह, डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, एसीपी कैंट नितिन तनेजा व प्रभारी निरीक्षक लालपुर पांडेयपुर, कैंट पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

जोगीबीर बाबा मंदिर के पास पुल के नीचे सड़ी-गली अज्ञात लाश पाए जाने से सनसनी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के प्रसिद्ध जोगीबीर बाबा मंदिर के पास स्थित पुल के नीचे रविवार दोपहर एक सड़ी-गली लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जैसे ही ग्रामीणों की नजर पुल के नीचे पड़ी लाश पर पड़ी, उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार शव काफी पुराना है और नदी की मछलियों द्वारा खाया जा चुका है। जिससे मृतक की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गोमती नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है।आशंका है कि शव कहीं दूर से बहकर मंदिर के पास स्थित नाले में आ गया हो। मृतक पुरुष है और उसकी उम्र का अनुमान लगाना फिलहाल मुश्किल है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की जांच जारी है।

सारंग चौराहा बना नशेड़ियों का अड्डा, आपस में भिड़े नशेड़ी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के स्थानीय निवासी रविन्द्र सिंह शेरा ने जब बीच बचाव किया तो झेलनी पड़ी नशेड़ी की ताड़नासारंग चौराहा अब नशेड़ियों के लिए सुरक्षित अड्डा बनता जा रहा है।

इसी कड़ी में बीते शनिवार को ए शर्मनाक घटना सामने आई, जब स्थानीय निवासी रविन्द्र सिंह शेरा को एक नशेड़ी व्यक्ति से उलझना महंगा पड़ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चौराहा स्थित एक सैलून में बैठे कुछ नशेड़ी आपस में गाली-गलौज कर रहे थे। तभी रविन्द्र सिंह शेरा ने उन्हें टोका, जिस पर एक युवक जिसकी पहचान सुनील प्रजापति के रूप में हुई है ने विवाद शुरू कर दिया। मामला इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते गाली-गलौज मारपीट में बदल गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सारंग चौराहा पर अंग्रेजी शराब, बीयर,देशी दारू के साथ साथ गांजे की भी खुलेआम बिक्री के कारण नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है। आए दिन यहां ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं लेकिन पुलिस की निष्क्रियता के चलते हालात और बिगड़ते जा रहे हैं।

इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि चौराहा क्षेत्र में अवैध नशा बिक्री पर कड़ी कार्रवाई हो और सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाई जाए। घटना के बाद सारनाथ पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़ित के तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम कार्यवाही में जुटी है।

इंदौर के अन्नपूर्णा मार्ग स्थित दशहरा मैदान से गाजे बाजे के साथ निकली कावड़ यात्रा

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश जनपद इंदौर के अन्नपूर्णा मार्ग स्थित दशहरा मैदान से गाजे बाजे के साथ सावन मास बेला में हर हर महादेव के जयकारों के साथ विश्वहिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान मे शिव कांवड़ यात्रा दशहरा मैदान से महाकाल उज्जैन 60 किलोमीटर तय के बड़े धूमधाम से जलाभिषेक किया गया। जिसका नेतृत्व कप्तान यादव व तेज सिंह राजपूत ने किया। श्रद्धा भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक यह आयोजन और इस वर्ष और भव्य होगया था। हर जाति धर्म को लोगों ने चढ़ बढ़ कर हिस्सा लिया। कप्तान यादव ने बताया कि इस आयोजन में सभी लोगों ने जाति वाद से दूर हो कर लोग भाग लेते हैं वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा बड़े विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया, और 60 /70 किलोमीटर पद यात्रा करते हुए बोल बम का नारा लगाते हुए लोग उत्साह पूर्वक एक कतार में चलते हैं।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो खंभे से लड़ी, बाल बाल बचे लोग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत स्थानीय क्षेत्र के धरौरा नईबाजार में स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के समीप शनिवार की देर रात केराकत से जौनपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खंभे में टकरा कर पलट गई। टक्कर में जहां खंभा क्षतिग्रस्त हो गया वही स्कॉर्पियो के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। गलिमत रही कि स्कॉर्पियो में सवार लोग बाल-बाल बच गए।टक्कर की आवाज सुन आस-पास के लोगो की भीड़ मौके पर पहुंच पलटी स्कॉर्पियो में सवार लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।मिली जानकारी के अनुसार चालक को हल्की चोटें आई है।

ट्रेलर ने पिकअप को पीछे से मारी जोरदार टक्कर, चार कावड़ियों की बिहार में मौत

बलिया (उत्तरशक्ति)। नरहीं थाना क्षेत्र के तेतारपुर गांव से रविवार की दोपहर में 25 श्रद्धालु पिकअप वैन पर सवार होकर बाबा धाम जलाभिषेक करने जा रहे थे। बिहार के बेगूसराय में ट्रेलर ने पिकअप में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में लाची देवी (45) पत्नी मुघुन राजभर और हरेंद्र राजभर (60) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, मुघुन राजभर (48) और घुरूहू राम (45) एंबुलेंस से घर आते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। मुघुन राजभर की पत्नी लाची देवी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी। ग्राम प्रधान बृज नारायण राजभर सहित 21 घायलों को घर लाने के बाद इलाज के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। मृतकों का पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस घटना के बाद तेतारपुर गांव में कोहराम मच गया है। इस दर्दनाक हादसे में कुल चार लोगों की मृत्यु हो गई है।

अनियंत्रित पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, दो की मौत

गाजीपुर(उत्तरशक्ति)। रेवतीपुर थाना क्षेत्र के अंर्तगत ताड़ीघाट-बारा नेशनल हाईवे 124 सी पर डेढगावां चट्टी के समीप गैस एजेंसी के ठीक सामने शनिवार की देर शाम को पिकअप की टक्कर से दो युवकों की मौत हो गई ।मृतकों की पहचान लखमीपुर निवासी बब्बन यादव (23) और रेवतीपुर निवासी शिवम यादव (20) के रूप में हुई है। दोनों युवक गाजीपुर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बब्बन यादव की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल शिवम यादव को अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पिकअप चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की खबर मिलते ही दोनों मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। जबकि मौत की घटना से पूरे गाँव में सन्नाटा पसर गया।थानाध्यक्ष रमेश कुमार पटेल के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस फरार पिकअप चालक की तलाश कर रही है। युवकों की मौत से गांव में शोक की लहर है।

पिकअप ने बाइक सवार को मारी टक्कर, बाइक सवार घायल

-रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत हाईवे पर गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गजना गांव में एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार घायल हो गया। थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर फूलचंद पांडेय ने बताया कि रविवार को दोपहर में तीन बजे चंदवक थाना क्षेत्र के मुकुरीपुर गांव निवासी संदीप अपनी बाइक पर पीछे कुछ सामान बांधकर जौनपुर शहर के तरफ जा रहा था। तीन बजे के करीब जैसे ही बाइक सवार गजना गांव के पास पहुचा तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दिया। जिससे बाइक सवार संदीप (29) घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 पुलिस पहुच गयी। पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से इलाज के लिए सीएचसी चोरसंड भिजवाया। सीएचसी के चिकित्सकों ने घायल को बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाइक सवार संदीप के बाए पैर में और नाक में ज्यादा चोट आई है। वही टक्कर मारने वाला अज्ञात पिकअप चालक मौके से फरार होने में सफल रहा।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार भाई-बहन को मारी टक्कर,भाई की मौके पर मृत्यु, बहन गंभीर रूप से घायल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र में शनिवार रात पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर फखरूद्दीनपुर गांव के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। जिससे भाई अनिल कुमार (42) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनकी बहन शीला देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मऊ जनपद के मोहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के गुल्लूगढ़ गांव निवासी अनिल कुमार अपनी बहन शीला देवी को उनके ससुराल बम्हौर, थाना मुबारकपुर लेकर जा रहे थे। शीला के पति की तबीयत लंबे समय से खराब थी और उनका वाराणसी में इलाज चल रहा था। शनिवार को पति के निधन की सूचना मिलने पर शीला अपने भाई अनिल के साथ ससुराल के लिए रवाना हुई थीं। रात करीब आठ बजे फखरूद्दीनपुर गांव के पास यह हादसा हुआ। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद की, लेकिन अनिल की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घायल शीला को एंबुलेंस से मंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। अनिल पैथोलॉजी में कार्यरत थे। हादसे की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

एक हफ्ते पहले गाय चराने को लेकर हुई मारपीट में घायल युवक की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के परसथ गांव में एक सप्ताह पूर्व गाय चराने को लेकर हुई मारपीट में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान रविवार की अपराह्न मृत्यु हो गई। मृतक के परिजन शव को लेकर कोतवाली के सामने प्रदर्शन करने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने शव को सड़क पर उतारने से रोक दिया। इस दौरान आधे घंटे तक अफरा-तफरी और जाम की स्थिति बनी रही।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 13 जुलाई को परसथ गांव की अनुसूचित बस्ती में गाय चराने को लेकर आकाश कुमार के साथ गांव के ही मोनू , राजेश पुत्र स्व. रामचंदर और सूरज उर्फ ननकू पुत्र रामचंदर के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई थी। इस घटना में आकाश के सिर में गंभीर चोटें आई थीं। प्रारंभिक

कोतवाली के सामने शव रखने पहुंचे परिजन, पुलिस ने रोका

उपचार मड़ियाहूं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे जौनपुर रेफर कर दिया गया। जौनपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान आकाश की तबीयत और बिगड़ गई, जिसके बाद परिजन उसे जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मृतक के चाचा दिवेश कुमार की तहरीर पर पुलिस ने 13 जुलाई को ही तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मारपीट समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया था। हालांकि, घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। आज आकाश की मौत की सूचना के बाद परिजन आक्रोशित होकर शव को मड़ियाहूं कोतवाली के सामने लाकर प्रदर्शन करना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने शव को वाहन से उतारने से रोक दिया। इस दौरान कोतवाली परिसर के बाहर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और सड़क पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। मामले की सूचना पर क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं गिरेंद्र सिंह और कोतवाली प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में छात्रों को किया गया प्रोत्साहित

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में, गोरिया कोठी प्रखंड के मझवलिया बाजार पर जयहिंद शिक्षण संस्थान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता में उत्कृष्ट परिणाम लाने वाले छात्रों को जयहिंद शिक्षण संस्थान ,मझवलिया द्वारा सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगीत के साथ शुरू किया गया। इस मौके पर अतिथि के रूप में प्रो जगदीश तिवारी (प्राध्यापक,गोरख सिंह कॉलेज, महाराजगंज),हरीश राज(संयुक्त शाखा प्रबंधक,बैंक ऑफ बड़ौदा)और अजय कुमार(नगर मंत्री,गोरेयाकोठी) उपस्थित रहें। प्राध्यापक जगदीश तिवारी ने कहा कि छात्रों से ही राष्ट्र का निर्माण होता है और छात्रों को पूरी निष्ठा से अपने शैक्षणिक कार्यों को करना चाहिए। हरीश जी ने कहा कि आज के छात्र ही देश का भविष्य हैं । शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ धन अर्जन करना नहीं बल्कि व्यक्तित्व को निखारना होता है। वहीं अजय कुमार ने कहा कि सभी छात्रों को व्यवहारिक शिक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए । संगत का असर छात्रों के व्यक्तिगत जीवन पर भी पड़ता है। हिमांशु कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों को प्रोत्साहित कर उनमें निखार लाया जा सकता है। प्रोत्साहित होने वाले छात्रों में तब्सूम खातुन,रागनी कुमारी,अंजलि कुमारी,आदर्श कुमार,आशीष कुमार,आयुष कुमार,अनमोल कुमार और सौरभ कुमार थे।

जब इरादे चट्टान की तरह मजबूत होते है तभी मिलती है मंजिल: साक्षी यादव

-निशानाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सफलता किसे अच्छी नहीं लगती है और लोग सफल होने के लिए रात-दिन मेहनत भी करते है।

ऐसे में जिनके इरादे और हौसले बुलंद होते है वहीं अपने लक्ष्य को प्राप्त करते है और सबके लिए सफलता की एक नई मिशाल पेश करते है।

ऐसे ही एक होनहार छात्रा ने देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शुमार डीयू में प्रथम प्रयास में ही प्रवेश पाकर गांव समेत जनपद का नाम रौशन किया है। क्षेत्र के रानीमऊ गांव निवासी पत्रकार श्यामचन्द्र यादव की मेधावी पुत्री साक्षी यादव ने स्नातक पढ़ाई के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में स्थान बनाया है। जिससे शुभचिन्तको में खुशी की लहर छा गई। बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों का सिलसिला जारी है। साक्षी यादव शुरूआत से मेधावी छात्रा के रूप में कॉलेज में अपनी पहचान बनाई है। साक्षी अपनी माध्यमिक शिक्षा कस्बा के विटी गर्ल्स इण्टर कॉलेज से किया। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए प्रारंभिक परीक्षा सीयूईटी परीक्षा पास किया और अब भारत के प्रतिष्ठित दिल्ली विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करेगी। इस अवसर पर पूर्व प्रधान आनद बरनवाल, प्रधानाचार्या सुनीता मिश्रा, शांतिभूषण मिश्रा, किश्वर सुलताना, विभा पांडेय, गुड्डू यादव आदि लोगों ने बधाई दिया।साक्षी यादव के उज्जवल भविष्य मनोकामना कि।

पूर्व विधायक की बहुरानी जदयू से चुनाव लड़ने की भरी हुंकार,जनता से मांगा वोट का आशीर्वाद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार, सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में स्थानीय विधानसभा क्षेत्र से पूर्व जदयू विधायक स्व. दामोदर सिंह के बड़े पुत्र अतीश कुमार की 32 वर्षीय पत्नी गुड़िया कुमारी ने 112-महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की हुंकार भर दी है।

जिगरावा अपने निवास स्थान पर एकत्रित जनता जनार्दन के मांग पर गुड़िया कुमारी ने जनता दर्शन दरबार में कही कि मैं बिहार के सीएम नीतीश कुमार के अलावा जदयू के वरीय नेताओं के सलाह पर जनता की सेवा करने का संकल्प ली है। प्रत्याशी गुड़िया कुमारी ने अपने संबोधन में कहा मेरे ससुर दो बार विधायक रहते घर परिवार के लिए कुछ नहीं किया लेकिन महाराजगंज की जनता की बेहतर सेवा देकर दो बार विधायक रह कर सच्चे सेवा दिया जो एक मिशाल है ।

विधायक रहते दामोदर बाबू का दिल का दौरा पढ़ने से मृत्यु हो गई। महाराजगंज के विकास में उनके सपने कुछ अधूरे सपने रह गए जिसको पूरा करने का मैं संकल्प दोहराती हूं। हमें पूर्ण विश्वास है कि महाराजगंज की जनता हमें अपने मतों का आशीर्वाद हमें प्रदान करेगी। गुड़िया कुमारी ने कहा कि मैं घर घर जाकर वोट के लिए अपना आंचल पसारुगी। मौके पर पूर्व विधायक दामोदर सिंह के प्रतिनिधि विशंभर सिंह, तैयब अंसारी,

जनार्दन सिंह, गौरीशंकर सिंह, शशिभूषण कुमार, विद्याभूषण सिंह पूर्व सरपंच, रमेश साह,शिवबहाल प्रसाद, कुशवाहा, उपेंद्र कुमार, धर्मेंद्र कुमार, झड़ेला बांसफोर आदि हजारों समर्थक उपस्थित थे।

खेलते-खेलते तीन वर्षीय मासूम जीशान हाशमी की बाउली में डूबने से मौत

बभनी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना घटित हुई। जब खेलते-खेलते तीन वर्षीय मासूम जीशान हाशमी की बाउली में डूबने से मौत हो गई। मासूम फिरोज अहमद का पुत्र था और घर के पास खेल रहा था। जबकि परिजन खेत में फसल की निराई गुड़ाई में व्यस्त थे।

कुछ समय बाद जब परिजन घर लौटे तो बच्चे को न पाकर खोजबीन शुरू की गई। तभी किसी ने पास ही स्थित बाउली में मासूम को पड़े देखा।जिसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई।

ग्रामीणों की मदद से बच्चे को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची 112 पुलिस टीम ने शव का पंचनामा कराकर

उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दुद्धी भेज दिया। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है, जब किसी मासूम की मौत इस तरह हुई हो।

क्षेत्र में पूर्व में भी बाउली, कुएं व जलस्रोतों में बच्चों की डूबने से मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं। प्रशासन ने अपील की है कि भारी वर्षा के कारण जलभराव व खुले जलस्रोतों के पास छोटे बच्चों को अकेला न छोड़ें। माता-पिता अपने बच्चों पर सतर्क निगाह रखें, ताकि इस तरह की दुःखद घटनाओं को रोका जा सके।

एस सी ई आर टी एल्युमिनाई मेंटर प्रशिक्षण कार्यक्रम को आगे ले जाने का करेगा हर संभव प्रयास

लखनऊ। क्षराज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद तथा लेंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त प्रयास से उत्तर प्रदेश राज्य के 350 शिक्षको को प्रदेश के चयनित 26 शिक्षकों द्वारा एक वर्षीय प्रारंभिक भाषा एवं साक्षरता कोर्स का सफलता पूर्वक संचालन कर गुणवत्तापूर्ण कोर्स को पूर्ण कराने वाले इन 26 शिक्षक सलाह कारों का सम्मान समारोह होटल सागर सोना लखनऊ के सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस सी ई आर टी के निदेशक गणेश कुमार ने अपने कर कमलों से सभी 26 मेंटर्स/शिक्षको को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए इस स्वैच्छिक कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की और इस कोर्स को आगे ले जाने की बात कही। इस कार्यक्रम की पूरे विभाग में चर्चा हो रही है। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में जनपद जौनपुर से 4 शिक्षक सुशील कुमार उपाध्याय, श्रीप्रकाश सिंह, रागिनी गुप्ता और योगेंद्र सिंह रहे। सुशील कुमार उपाध्याय ने बताया कि प्रत्येक मेंटर द्वारा 15 शिक्षको को यह कोर्स कराया गया जिससे शिक्षको का व्यावसायिक विकास हुआ। इस कोर्स का संचालन विद्यालय अवधि के बाद किया गया जो बच्चो को आसानी से भाषा सिखाने के तरीको के बारे में था। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी पवन सचान और दीपा तिवारी विशिष्ट अतिथि रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता एल एल एफ संस्था के संस्थापक धीर झींगरन आई ए एस और संचालन स्वाति गांधी ने किया। आभार ज्ञापन एसोसिएट डायरेक्टर श्वेता लखनपाल द्वारा किया गया।

नशामुक्त भारत का नया मंत्र : बच्चों से पंचायत तक उठी जनचेतना की लहर

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। देश में तेजी से पैर पसारते नशे के जाल के विरुद्ध एक राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन का सूत्रपात हो चुका है। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हुए राष्ट्रीय संवाद में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, ब्रह्माकुमारी संस्थान, जनकल्याण नशा मुक्ति केंद्र, जीवन विद्या मिशन समेत 113 संस्थाओं ने एकस्वर में यह संकल्प लिया कि अब बचपन से लेकर पंचायत तक नशे के खिलाफ व्यापक चेतना फैलाई जाएगी। कार्यक्रम में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि 8 से 14 वर्ष तक के बच्चे भी नशे की गिरफ़्त में आ रहे हैं। स्कूलों के वातावरण को सकारात्मक और संस्कारित बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए वक्ताओं ने सुझाव दिया कि हर जिले में मेडिटेशन और योग केंद्र स्थापित हों। विद्यालयों में नशा मुक्त छात्रों को प्रमाण-पत्र दिए जाएं। ग्राम पंचायत निधि से खेल मैदान और संस्कारशालाएं विकसित हों। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब उन्होंने प्रदेश में नशे के विरुद्ध अभियान की शुरूआत की, तो सबसे पहले पंचायत प्रतिनिधियों और युवाओं को जोड़ा। गांव-गांव जाकर लोगों को समझाया, यदि मांग बंद कर दो, तो आपूर्ति खुद रुक जाएगी। आज हिमाचल में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अभिभावक और सामाजिक कार्यकर्ता मिलकर नशा विक्रेताओं का सामाजिक बहिष्कार कर रहे हैं। स्कूलों में प्रवेश के समय ही शपथ दिलाई जा रही है, मैं नशा नहीं करूंगा और नशा करने वालों को भी रोकूंगा। उन्होंने कहा, आज जब युवा पीढ़ी जीवन के दोराहे पर खड़ी है, यह अभियान उन्हें भटकाव से बचाकर उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने का मार्गदर्शक बन सकता है। हिमाचल से उठी यह लौ अब देश के हर कोने तक पहुंचे, यही इस राष्ट्रीय प्रयास की सफलता का मंत्र होगा। काशी ने आज यह संदेश दिया है कि यदि युवा जाग जाएं और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ जुड़ जाएं, तो भारत को नशा मुक्त और विकसित बनाना कोई दूर का सपना नहीं। राज्यपाल शुक्ला ने कहा कि एक समय था जब पंजाब नशे के कारण बदनाम था, पर आज हिमाचल को आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे यह मंत्र दिया था कि जब तक नशे की मांग नहीं खत्म होगी, आपूर्ति नहीं रुकेगी। उसी आधार पर हमने गांव-गांव जाकर लोगों को चेताया और आज हिमाचल जागरूक है।

डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री, ने स्पष्ट शब्दों में कहा, यह केवल घोषणा नहीं, बल्कि भारत की युवा शक्ति का साझा संकल्प है। भारत की आध्यात्मिक शक्ति अब इस नशा मुक्ति अभियान की रीढ़ बनेगी। उन्होंने इस अभियान को जन आंदोलन बनाने पर बल दिया और कहा कि यह केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाओं की साझेदारी से ही सफल होगा। ब्रह्माकुमारी संस्थान और जीवन विद्या मिशन जैसे आध्यात्मिक संगठनों ने कहा कि नशे की समस्या सिर्फ शरीर की नहीं, यह आत्मा की बीमारी है। इसका इलाज ध्यान, आत्मबोध और संस्कारों से ही संभव है। इन संस्थाओं ने गांव-गांव निःशुल्क ध्यान-शिविर, नशा उन्मूलन पाठशालाएं और आध्यात्मिक प्रेरणा केंद्र चलाने की प्रतिबद्धता जताई। ब्रह्माकुमारी जैसी आध्यात्मिक संस्थाओं ने इस अवसर पर कहा कि नशे का इलाज केवल शरीर का नहीं, बल्कि मन और आत्मा का उपचार भी है। ध्यान और आत्मबोध के जरिए व्यक्ति को जागरूक करना होगा। संस्था ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निःशुल्क ध्यान-शिविर और मानसिक जागरूकता शिविर चलाने का प्रस्ताव रखा।

कार्यक्रम में एक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की गई, जिसमें निम्नलिखित बिंदु शामिल हैं : स्कूल-कॉलेजों में नियमित नशा जागरूकता अभियान. मनरेगा और पंचायत निधियों से खेल एवं संस्कार केंद्र. जिला स्तर पर उपचार केंद्रों की स्थापना. मीडिया, समाज और धर्मगुरुओं की सहभागिता. युवाओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित करना. संकल्प से सिद्धि तकः युवा बनेंगे अग्रदूत. कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक शपथ ली, हम नशा नहीं करेंगे, नशे को समाज से उखाड़ फेंकेंगे और दूसरों को भी रोकेंगे। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक राष्ट्रव्यापी चेतना आंदोलन की शुरूआत है, जो भारत के भविष्य को नई दिशा देने जा रहा है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर में फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 32वें संस्करण में 3000 से अधिक युवाओं संग साइकिल चलाकर ह्रनशा मुक्त युवा, विकसित भारतह्व का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और संयमित जीवनशैली से ही युवा राष्ट्र निर्माण में सशक्त भूमिका निभा सकते हैं। इस अवसर पर योग, जुंबा, मेडिटेशन और पारंपरिक खेलों का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए।

भारत पर नाटो की संभावित नाराजगी: रूसी तेल खरीद को लेकर बढ़ सकता है पश्चिमी दबाव

नेशनल डेस्कः रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत द्वारा रियायती दरों पर रूसी तेल खरीदने की नीति अब वैश्विक चर्चा का विषय बन गई है। नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) और पश्चिमी देशों के बीच यह चिंता बढ़ रही है कि भारत, जो एक बड़ा लोकतंत्र और कई पश्चिमी देशों का रणनीतिक साझेदार है, रूस के खिलाफ उनके सख्त रुख के साथ पूरी तरह क्यों नहीं खड़ा हो रहा।

हालांकि अभी तक नाटो की ओर से कोई आधिकारिक बयान या प्रतिबंध नहीं लगाए गए हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हलकों में भारत के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों या दंडात्मक कदमों की अटकलें लगाई जा रही हैं। यह मसला सिर्फ तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत की स्वतंत्र विदेश नीति, उसकी बढ़ती वैश्विक भूमिका और परंपरागत पश्चिमी दबावों को न मानने के संकेत भी देता है। रूस के खिलाफ पश्चिमी

देशों ने फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद कई कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए। इनका मकसद रूस को वैश्विक मंच से अलग-थलग करना था, जिसमें तेल और गैस जैसे ऊर्जा संसाधन भी शामिल थे, क्योंकि यही रूस की आमदनी का बड़ा जरिया हैं। इसी दौरान भारत ने रूस से रियायती दरों पर कच्चा तेल खरीदना शुरू किया, जिससे उसे अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने में मदद मिली। भारत का यह कदम आर्थिक दृष्टि से व्यवहारिक था, लेकिन पश्चिम इसे अपने प्रतिबंधों की प्रभावशीलता में बाधा मान रहा है।

भारत ने कई बार स्पष्ट किया है कि रूस के साथ उसके संबंध पुराने और रणनीतिक सहयोग पर आधारित हैं। रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार है, जिससे भारत को करीब 60% सैन्य साजो-सामान मिलता है। भारत का यह भी कहना है कि उसकी तेल खरीद का उद्देश्य सिर्फ अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना है, न कि यूक्रेन युद्ध में किसी पक्ष का समर्थन करना।

भारत लगातार कूटनीतिक समाधान, बातचीत और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान की वकालत करता रहा है। नई दिल्ली का रुख हमेशा से यह रहा है कि वह गुटनिरपेक्ष और स्वायत्त विदेश नीति अपनाता है। नाटो और पश्चिमी देशों की ओर से भारत पर दबाव बनाना राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। आज का भारत शीत युद्ध काल के मुकाबले काफी बदल चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई है, चाहे वह क्वाड, G20 की अध्यक्षता या वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाना हो।

भारत ने पहले भी पश्चिमी दबावों का सामना किया है- जैसे अमेरिका के उअअळरअ कानून के बावजूद रूस से र-400 मिसाइल सिस्टम खरीदना, या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने जैसे घरेलू मामलों पर अपने रुख पर कायम रहना। इन उदाहरणों से यह साफ है कि भारत अब निर्णय लेने में स्वतंत्र और आत्मविश्वासी है।

भारत किसी सैन्य गठबंधन का हिस्सा नहीं है और उसकी विदेश नीति का मूल सिद्धांत रणनीतिक स्वायत्तता है। यह नीति उसके औपनिवेशिक अतीत और गुटनिरपेक्ष आंदोलन की विरासत से जुड़ी हुई है। आज भारत, एक ओर अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर रूस के साथ अपने पारंपरिक संबंधों को भी बनाए रख रहा है। यही पूर्व और पश्चिम के बीच संतुलन भारत की विदेश नीति की पहचान बन चुका है।

नमो नमो मोर्चा भारत व प्रारंभ प्रतिष्ठान द्वारा कांवड़ियों को साबूदाना खिचड़ी वितरित

पालघर(उत्तरशक्ति)। श्रावण मास की पावन बेला में जब देशभर में भगवान भोलेनाथ के जयघोष गूंज रहे हैं, उस अवसर पर नमो नमो मोर्चा भारत एवं प्रारंभ प्रतिष्ठान की ओर से रविवार 20 जुलाई 2025 को शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा में एक प्रेरणादायक आयोजन किया गया। यह सेवा कार्य तारापुर रोड स्थित रॉयल गार्डन, कुरगांव में संपन्न हुआ, जहां सैकड़ों की संख्या में मौजूद कांवड़ियों को निशुल्क साबूदाना खिचड़ी का वितरण किया गया। यह सात्विक व पौष्टिक प्रसाद शिवभक्तों को ऊर्जा प्रदान करने और उनकी कठिन यात्रा को सुगम बनाने हेतु वितरित किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य केवल भोजन कराना नहीं था, बल्कि सेवा, श्रद्धा और सामूहिक सौहार्द का भाव जागृत करना था। आयोजन स्थल पर भक्तिमय वातावरण और सेवा भाव का संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भाजपा जिला सचिव, नमो नमो मोर्चा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रारंभ प्रतिष्ठान प्रमुख सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि ₹सेवा ही धर्म है, श्रद्धा ही शक्ति है। श्रावण मास में शिवभक्तों की सेवा करना ही हमारी सबसे बड़ी भक्ति है। इस पुनीत सेवा कार्य में स्थानीय कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी ने एकजुट होकर कांवड़ यात्रियों की सेवा कर धर्म और मानवता की मिसाल पेश की।

ओबेन इलेक्ट्रिक की Rorr EZ अब Amazon पर भी उपलब्ध

मुंबई। भारत की घरेलू और रिसर्च-बेस्ड इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने अपनी पॉपुलर सिटी कम्यूटर इलेक्ट्रिक बाइक Rorr ऐ को अब Amazon पर उपलब्ध करवा दिया है। यह कदम ओबेन इलेक्ट्रिक की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स के जरिए देशभर में इलेक्ट्रिक वाहनों की पहुंच बढ़ाना चाहती है। इस लॉन्च के साथ ओबेन इलेक्ट्रिक ने ई-कॉमर्स की ताकत और भरोसे को मिलाकर अपनी इलेक्ट्रिक बाइक को खरीदना और भी आसान बना दिया है।

CMAI के 81वें नेशनल गारमेंट फेयर से अनुमानित 2500 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ

मुंबई। क्लोदिंग मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (CMAI) द्वारा आयोजित 81वां नेशनल गारमेंट फेयर (एनजीएफ) महिला एवं पुरुष परिधान संस्करण, जो 14 से 16 जुलाई, 2025 तक आयोजित हुआ, एक ऐतिहासिक गारमेंट फेयर साबित हुआ, जिसने उद्योग की अपेक्षाओं से कहीं ज्यादा बेहतर प्रदर्शन किया। पिछले महीने आयोजित किड्सवियर और हाल ही में संपन्न महिला एवं पुरुष परिधान - दोनों एनजीएफ सेगमेंट को मिलाकर, यह भारत का सबसे बड़ा परिधान ट्रेड शो था, जिसने देश भर से मुख्य रूप से खुदरा विक्रेताओं, वितरकों, एजेंटों और थोक विक्रेताओं सहित 50,000 खरीदारों की रिकॉर्ड उपस्थिति के साथ करीब 2500 करोड़ रुपये का अनुमानित कारोबार किया। फेयर में स्वस्थ ऑर्डर प्लेसमेंट देखा गया, जिसमें कई प्रदर्शकों ने भारी ऑर्डर बुकिंग दर्ज किए, जो परिधानों की मजबूत और निरंतर मांग को दशार्ता है। फेयर में 800 से अधिक पुरुष और महिला परिधान ब्रांड और 40 से अधिक सहायक एक्सेसरीज लेबल दोनों सेगमेंट में थे। इसके अलावा 590 किड्सवेयर ब्रांड प्रदर्शित किए गए। परिधान उद्योग की वृद्धि को देखते हुए, उटअकके अध्यक्ष संतोष कटारिया ने टिप्पणी की, 'भारतीय परिधान उद्योग एक गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिसे एक युवा, महत्वाकांक्षी और ट्रेंड-सेटिंग उपभोक्ता वर्ग आकार दे रहा है। आज का उपभोक्ता पारंपरिक फैशन की सीमाओं में बंधा नहीं रह गया है, वह अब ऐसे आधुनिक शैलियों को अपना रहा है, जो वैश्विक रुझानों को भारतीय संवेदनाओं के साथ सहज रूप से जोड़ती हैं। जैसे-जैसे आय स्तर बढ़ रहा है और खरीदारों की पसंद बदल रही है, परिधान अब केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि एक जीवनशैली-आधारित श्रेणी बनती जा रही है, जो ब्रांड्स, डिजाइनर्स, निमार्ताओं और खुदरा विक्रेताओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रही है।' फेयर में भाग लेने वाले कई प्रमुख महिला और पुरुष परिधान खुदरा ब्रांड्स शामिल रहे - सोहम शॉप (गुवाहाटी), जीवी मॉल (खम्मम), असोपालाव (अहमदाबाद), पाकिजा रिटेल्स (इंदौर), बी. एस. चन्नबासप्पा एंड संस (कर्नाटक), शिवम अटायर (इंदौर), संजय टेक्सटाइल स्टोर (जयपुर), और राजवाड़ी एम्पोरियम (वलसाड)। इन ब्रांड्स की उपस्थिति ने मेले की प्रासंगिकता को सिद्ध किया, जहां नवीनतम फैशन रुझानों और नवाचारों को समझने और अपनाने का एक आदर्श मंच प्रस्तुत किया गया। भारतीय परिधान बाजार अब नए सिरे से खुद को परिभाषित करने के चरण में प्रवेश कर रहा है।

पूजा के बहाने नशीला पदार्थ देकर नवविवाहिता से तांत्रिक ने किया दुष्कर्म

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के चौबेपुर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां तंत्र-मंत्र के नाम पर एक तांत्रिक ने नवविवाहिता के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी तांत्रिक राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया है और मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, 20 वर्षीय पीड़िता की शादी हाल ही में 5 मई को सचेंडी क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। विवाह के बाद से ही वह खांसी, जुकाम और बुखार से पीड़ित थी। पारंपरिक इलाज की जगह उसकी सास ने गांव के एक स्थानीय तांत्रिक राजकुमार को बुलाया। तांत्रिक ने उसे ऊपरी चक्कर का मामला बताते हुए डेढ़ घंटे की पूजा करने की बात कही और 15 जुलाई की सुबह महिला को नहाकर आने का निर्देश दिया। नवविवाहिता के अनुसार, पूजा के दौरान तांत्रिक ने उसे कुछ ऐसा पिलाया जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने बेहोशी का फायदा उठाकर दुष्कर्म किया। होश आने पर जब महिला ने विरोध किया, तो तांत्रिक ने उसे जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी। पीड़िता ने साहस जुटाकर रविवार को चौबेपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ बलात्कार और धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद से गांव में दहशत और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि भरोसे की आड़ में अंधविश्वास फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सहारनपुर में सात वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म, मामला दर्ज

सहारनपुर। जिले में सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में रविवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सागर जैन ने बताया कि पीड़िता की मां ने गंगोह थाने में शनिवार को दी तहरीर में आरोप लगाया कि गंगोह कस्बे के मोहम्मद गौरी मोहल्ला निवासी मेहरबान ने 18-19 जुलाई की रात उसकी सात वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म किया। आरोप लगाया गया है कि 19 जुलाई की दोपहर को मेहरबान ने एक अज्ञात साथी के साथ मिलकर उसके साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जैन ने कहा, ₹शिकायत के आधार पर मेहरबान और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

कर्ज और धोखाधड़ी की रंजिश में 10 वर्षीय मासूम की ईंट से सिर कुचलकर निर्मम हत्या, 3 आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर क्षेत्र से अगवा 10 वर्षीय मासूम बच्चे की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। हत्या की वजह हर किसी को झकझोर देने वाली है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी ने बताया कि मृतक के चाचा ने लोन दिलाने के नाम पर उससे 15 हजार रुपये ठग लिए थे। इसी रंजिश का बदला लेने के लिए आरोपी ने अपने बेटे और साथी के साथ मिलकर बच्चे को अगवा किया और बेरहमी से उसकी हत्या कर दी।

बता दें कि मासूम की हत्या की सनसनीखेज घटना 10 जुलाई की है। दरअसल लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र स्थित महामाया कुंज निवासी रवि ने अपने बेटे के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बच्चा घर के बाहर खेलते समय अचानक गायब हो गया था। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपहरण की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की सर्विलांस और जमीनी पड़ताल के बाद तीन आरोपियों को धर्मेन्द्र उर्फ राजू (59 वर्ष), उसका बेटा रोहित उर्फ कृष्णा (20 वर्ष), और उनका साथी गुड्डू उर्फ जैद मोहम्मद (22 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में मुख्य आरोपी धर्मेन्द्र ने जो वजह बताई, वह दिल दहला देने वाली है। धर्मेन्द्र ने बताया कि उस पर भारी कर्ज था और वह ढाई लाख रुपये का लोन लेना चाहता था। इस दौरान मृतक के चाचा नरेश ने जल्दी लोन दिलाने का झांसा देकर उससे 15 हजार रुपये ले लिए, लेकिन बाद में कोई मदद नहीं की। इसी धोखाधड़ी से खफा होकर धर्मेन्द्र ने बदला लेने के लिए मासूम बच्चे को निशाना बनाने की साजिश रच डाली।

तकनीकी खेती से समृद्ध होंगे किसान: जिलाधिकारी

जौनपुर। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजना अंतर्गत गठित अधिशासी समिति की बैठक जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में शनिवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद कृषि प्रधान जनपद है, कृषि के क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं बस जरूरत है कि सभी संस्थाएं मिलकर काम करें तो कृषि के क्षेत्र में जरूर समृद्धि आएगी, परंपरागत खेती से हटकर तकनीकी खेती करने पर किसानों में खुशहाली आएगी, प्रशिक्षण, प्रदर्शन और जागरूकता से किसानों के हालात बदलेंगे। वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिला कृषि कार्य योजना में 6.78 करोड रुपए खर्च पर किसानों की मदद की जाएगी, उन्होंने कृषि तकनीकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम) और उत्तर प्रदेश अन्न (मिलेट्स) पुनरोद्धार कार्यक्रम की वर्ष 2025 - 26 के लिए जिला कार्य योजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत 4.26 करोड रुपए की धनराशि व्यय होगी। उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि कृषकों को अच्छी संस्थानों में प्रशिक्षण एवं भ्रमण कराकर उनकी क्षमता विकास कराए ताकि नई तकनीकी से खेती करके अपनी आमदनी बढ़ा सके। जिलाधिकारी ने गौ-आधारित प्राकृतिक खेती और श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती को बढ़ावा देने का निर्देश देते हुए कहा कि इससे लागत घटेगी और बेहतर उत्पादन प्राप्त कर स्वच्छ पर्यावरण में कृषि का सतत विकास कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक (आत्मा) डा. रमेश चंद्र यादव ने किया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी, उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडे, जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह, जिला उद्यान अधिकारी डा. सीमा सिंह राणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा.सुरेश कुमार कनौजिया, डा.आरके सिंह सहित बोर्ड के सभी सदस्य मौजूद रहे।

मुंशी प्रेमचंद की कथाओं में वंचितों की सच्ची आवाज है: प्रो. नरेंद्र नारायण राय

भोजूबीर स्थित उदगार सभागार में यूपी भाषा संस्थान की संगोष्ठी, प्रेमचंद साहित्य पर विद्वानों के विचार

-सुरेश गांधी

वाराणसी. उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के तत्वावधान में रविवार को भोजूबीर स्थित उदगार सभागार में उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद का कथा साहित्य विषयक एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रोफेसर नरेंद्र नारायण राय (अध्यक्ष, हिंदी विभाग, राम मनोहर लोहिया पीजी कॉलेज, भैरो तालाब) ने प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान की गहन विवेचना करते हुए कहा कि प्रेमचंद को समझना है तो उनके जन्मस्थल लमही के ग्रामीण परिवेश को महसूस करना होगा। उनके पात्र आज भी हमें जीवंत प्रतीत होते हैं। उन्होंने वंचितों और शोषितों की आवाज को अपनी

लेखनी से स्वर दिया। प्रो. राय ने कहा कि प्रेमचंद के पात्र महज काल्पनिक नहीं, बल्कि समाज के भीतर की वास्तविक चेतना के वाहक हैं। उन्होंने सामाजिक विषमता के खिलाफ साहित्य को हथियार बनाकर लड़ा। साहित्यकार डॉ. अशोक राय ने कहा प्रेमचंद की कहानियों में गरीब और शोषित तबके की वेदना मुखर होती है। चाहे वह गबन का पात्र हो या कफन के घीसू और माधव द वे हमें आज भी सोचने पर विवश करते हैं। उनकी लेखनी हमारी आत्मा को झकझोर देती है। वरिष्ठ साहित्यसेवी पंडित छतीश द्विवेदी ने कहा प्रेमचंद जैसा कालजयी कथाकार दुर्लभ है, जिन्होंने समाज के हाशिये पर खड़े लोगों को साहित्य के केंद्र में रखा और सर्वहारा वर्ग की आवाज को प्रतिष्ठा दी। कार्यक्रम में बुद्धदेव तिवारी, सुनील सेठ, लियाकत अली आदि वक्ताओं ने भी प्रेमचंद के कथा साहित्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की कहानियाँ न केवल यथार्थ की दस्तावेज हैं, बल्कि सामाजिक चेतना का दर्पण भी हैं।

मुस्लिम युवक-हिंदू युवती निकाह मामला: 3 गांवों की पंचायत ने सुनाया बड़ा फैसला, मीडिया-पुलिस को घुसने तक नहीं दिया

चरखी दादरी। चरखी दादरी जिले के गांव महराणा में मुस्लिम युवक व हिंदू युवती द्वारा निकाह करने के मामले में ग्रामीणों में रोष बरकरार है। रविवार को गांव पातुवास में तीन गांवों खेड़ी सनवाल, महराणा और पातुवास के ग्रामीणों की संयुक्त रूप से पंचायत का आयोजन किया गया। करीब 4 घंटे तक चली पंचायत में मीडिया, पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को दूर रखा गया। वहीं निर्णय लिया कि तीनों गांव में युवक शाहीद के परिवार से कोई सामाजिक रिश्ता नहीं रखा जाएगा। मामले को देखते हुए गांव के आसपास पुलिस बल तैनात रहा। बता दें कि बीते 3 जुलाई को गांव महराणा निवासी करीब 25 वर्षीय शाहीद व गांव की ही हिंदू लड़की प्रीति का धर्म परिवर्तन करवाकर निकाह कर लिया था। ग्रामीणों को 6 जुलाई को इसकी सूचना मिली तो इसको लेकर रोष जताया और मुस्लिम समुदाय के लोगों की दुकानें बंद करवा दी गई। जिसके बाद से गांव में शाहीद के परिवार के बाहर लगातार पुलिस तैनात है। हालांकि इस मामले में दोनों परिवारों की ओर से लअग-अलग रहने बारे एफिडेविट भी दिया गया। बावजूद इसके तीन गांवों की पंचायत द्वारा फैसले लिए गए हैं। गांव महराणा में हुई पंचायत की अध्यक्षता कपूर सिंह ने की और संचालन अठगामा खाप के संयोजक धर्मपाल महराणा द्वारा करवाया गया। अठगामा खाप संयोजक धर्मपाल महराणा व पंचायत प्रतिनिधि मीर सिंह ने बहिष्कार की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि लड़की से निकाह करने वाला शाहीद गांव में नहीं आएगा। तीनों गांव में लड़का शाहीद के परिवार से कोई सामाजिक रिश्ता नहीं रखा जाएगा। लड़का-लड़की के बीच निकाह या शादी का रिश्ता खत्म कर दिया गया है। बताया कि दोनों बीच तलाक की प्रक्रिया चल रही है और इस संबंध में एफिडेविट भी दिया गया है।

आबादी वाले इलाके में गिरा भारतीय सेना का ड्रोन, लोगों में मचा हड़कंप

अंबाला। आज भारतीय सेना का एक ड्रोन आबादी वाले इलाके में गिरने से हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलते ही सैन्य अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची और ड्रोन को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार अम्बाला शहर के धूलकोट इलाके में गिरा ड्रोन भारतीय सेना यूनिट 1812 का था। यह ड्रोन अंबाला के धूलकोट इलाके में गिर गया। बलदेव नगर थाना प्रभारी रमेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इसके संबन्ध में डायल 112 के माध्यम से उन्हें सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि ड्रोन आर्मी की यूनिट 1812 का था। ड्रोन अभ्यास के दौरान रेंज से बाहर हो गया और धूलकोट गांव में गिर गया।

विकास खंड रामपुर के ग्राम पंचायत बनीडीह में ग्राम चौपाल का आयोजन

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में विकास खंड रामपुर के ग्राम पंचायत बनीडीह में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने लोगों की समस्याएं सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा 15 मुसहर लाभार्थियों को आवास पट्टा वितरित किया गया, चौपाल में 15 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड, पेंशन एवं राशन कार्ड बनाया गया। 15 लाभार्थियों का वृद्धावस्था पेंशन, एक पात्र व्यक्ति का दिव्यांग पेंशन तथा तीन विधवा पेंशन बनाए गए। 24 बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनाए गए, राशन कार्ड के अंतर्गत एक नवीन आवेदन प्राप्त हुआ एवं 19 आवेदन यूनिट जोड़ने हेतु प्राप्त हुए। जिलाधिकारी ने कहा कि जन चौपाल का उद्देश्य है कि जो भी पात्र व्यक्ति हैं उनको चिन्हित करते हुए उनके पेंशन, राशन कार्ड आदि बनाए जाएं जिससे शासन के मंशानुरूप उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। आज भी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिया गया है तथा आगे भी उन्हें इसी प्रकार लाभ दिया जाएगा।

इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा बस्ती में बच्चों में फल वितरण किया गया। नेहा, राधा, कबूतरा, राधा और रेखा देवी की गोद भराई की गई तथा सान्या और आयत का अन्नप्राशन कराया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी अवलोकन जिलाधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सुनील भारती, खंड विकास अधिकारी अभिनव सरोज, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला दिव्यांगजन शसक्तीकरण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण, कर्मचारीगण सहित स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती पर प्रजापति समाज ने लिया संविधान बचाने का संकल्प: श्यामलाल पाल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)।विधानसभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर के सरायबीका में आर के कान्वेंट स्कूल पर अरुण प्रजापति द्वारा आयोजित महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जी रहे।

सर्वप्रथम ज़िले की सीमा पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का बुके एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य एवं पूर्व विधायक लालबहादुर यादव के नेतृत्व में सैकड़ों सपाजनों ने किया। 10 पक्ष समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल आरके कान्वेंट स्कूल सरायबीका में आयोजित महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए।

उक्त अवसर पर सर्वप्रथम समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मुख्य अतिथि श्यामलाल पाल एवं जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, क्षेत्रीय विधायक पंकज पटेल, मछलीशहर की विधायक डॉ.रागिनी सोनकर, पूर्व विधायक राजनरायन बिंद, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव ने महाराजा

दक्ष प्रजापति जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।जयंती समारोह को बताओ मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पार्टी श्यामलाल पाल ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार में सर्वाधिक पीडीए समाज का उत्पीड़न हो रहा है।पीडीए समाज का हक अधिकार सुरक्षित नहीं रह गया है। बाबासाहब डॉ.भीमराव अंबेडकर के संविधान और उनके द्वारा दिए गए पीडीए समाज के आरक्षण को समाप्त किया जा रहा है। पीडीए समाज का मान सम्मान और भविष्य आज खतरे में है। सामंतियों, प्रभुत्व वादियों को संरक्षण देने वाले आज पीडीए समाज को शोषण कर रहे हैं। स्कूल बंद किए जा रहे हैं ताकि पीडीए समाज के बच्चे शिक्षा ना प्राप्त करें।सामंती जानते हैं कि जब पीडीए समाज के लोग शिक्षित होंगे तो सत्ता से अपने हक अधिकार के लिए सवाल करेंगे।ऐसे में उन्हें उनका हक अधिकार, आरक्षण, भागीदारी देनी पड़ेगी। आज पीडीए समाज विशेषकर प्रजापति समाज को एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत बनाना होगा तभी जाकर संविधान आरक्षण और पीडीए समाज का मान सम्मान और गौरव वापस आएगा। उपस्थित प्रजापति समाज के लोगों ने संविधान बचाने का संकल्प लिया।जयंती समारोह को क्षेत्रीय विधायक पंकज पटेल, मछली शहर की विधायक डॉ.रागिनी सोनकर, पूर्व मंत्री राज नारायण बिंद, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, हृदय नारायण प्रजापति, विजय प्रजापति, नंदलाल प्रजापति, अशोक प्रजापति, सहित अन्य गणमन लोगों ने संबोधित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजक एवं विद्यालय के प्रबंधक अरुण प्रजापति ने मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल सहित सम्मानित जनप्रतिनिधियों का माल्यार्पण कर एवं अंगवस्त्रम देकर सम्मान किया। जयंती समारोह में प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा हिसामुद्दीन शाह ननकू यादव, राजन यादव, श्याम बहादुर पाल ,उमाशंकर पाल ,हीरालाल विश्वकर्मा ,राजमुर्ती सरोज, लकी त्रिपाठी, रामलाल पाल, पूर्व प्रमुख अभिमन्यु यादव, राहुल त्रिपाठी, पंकज मिश्र, श्याम नारायण बिंद, राजेश झल्लू राम पटेल, गुलाब यादव, राहुल त्रिपाठी सुशील श्रीवास्तव, राम अकबाल यादव, सूर्यभान यादव, प्रवीण सरोज, प्रदीप कुमार पाल, रविन्द्र मौर्य, राकेश पटेल, अजमत रिन नवाज खान, सो,नू फरीदी ,विवेक यादव ,अजय रंजन ,सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने तथा संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों में मुठभेड़, पूरा इलाका सील

जम्मू डेस्क। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ ज़िले के डच्चन इलाके में रविवार को आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों ओर से जोरदार गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ अब भी जारी है और इलाके को पूरी तरह से घेर लिया गया है। मौके पर अतिरिक्त सुरक्षाबल भेजे गए हैं और पूरे इलाके में हाई अलर्ट है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादी एक सुनसान इलाके में छिपे हुए थे, जिनसे सुरक्षाबलों की आमने-सामने की मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ को लेकर अभी और जानकारी का इंतजार है।